E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 88 | गुवाहाटी | रविवार, 27 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8
| VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कड़ी सुरक्षा के बीच आज आयोजित होगी ग्रेड 4 पदों की परीक्षा

गुवाहाटी। असम सरकार के ग्रेड 4 पदों की विभिन्न श्रेणियों के लिए लिखित परीक्षा रविवार को विस्तृत व्यवस्था के बीच आयोजित की जाएगी, जिसमें परीक्षा के घंटों के दौरान राज्य भर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य स्तरीय भर्ती आयोग (एसएलआरसी) के तहत परीक्षाएं 28 जिलों में दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। कुल मिलाकर 8,27,130 उम्मीदवार 1,484 केंद्रों पर सुबह 9 बजे से 11.30 बजे तक पहली पाली में एचएसएलसी स्तर के पदों के लिए आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षा में शामिल होने के पात्र हैं। कक्षा 8 स्तर के पदों के लिए दूसरी पाली में दोपहर 1.30 बजे से शाम 4 बजे तक 808 केंद्रों पर आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 5,52,002 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। दोनों पालियों में 5,023 पदों के लिए परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें कक्षा 8वीं स्तर तक के 2,102 पद शामिल हैं। राज्य भर में सुबह 8.30 बजे से शाम 4 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी, यह दो महीने में तीसरी ऐसी घटना है। शुक्रवार को एक आदेश में कहा गया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी लिखित परीक्षा आयोजित करने के हित में और सार्वजनिक सुरक्षा पर असर डालने वाले किसी भी कानून और व्यवस्था के मुद्दों को रोकने के लिए सभी सेवा प्रदाताओं की मोबाइल इंटरनेट, मोबाइल वाईफाई और मोबाइल डेटा सेवाएं सुबह 8.30 बजे से शाम 4 बजे तक निलंबित रहेंगी। इसमें कहा गया है कि इस अवधि के दौरान वॉयस कॉल और निश्चित टेलीफोन लाइनों पर आधारित ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी चालू रहेगी। आदेश में कहा गया है कि उद्घोषणा का कोई भी उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के प्रासंगिक प्रावधान के तहत दंडनीय होगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों की तलाशी और जांच सहित कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एनएफआर की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनआरएफ) परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की अतिरिक्त भीड़ को सुविधाजनक बनाने और निपटाने के लिए पांच जोड़ी परीक्षा विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। इसमें कहा गया है कि इन ट्रेनों को दोनों दिशाओं में एक-एक यात्रा के लिए संचालित किया जाएगा। एसएलआरसी के तहत ग्रेड 3 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 15 और 29 सितंबर को आयोजित की गई थी, इस दौरान भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ग्रेड थ्री के विभिन्न पदों के लिए लगभग 18.50 लाख और ग्रेड फोर के विभिन्न पदों के लिए 13.70 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। पहले उदाहरण में, अगस्त 2022 में दो दिनों में लगभग सभी जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को चार घंटे के लिए निलंबित कर दिया गया था, जब एसएलआरसी के तहत ग्रेड 3 और 4 पदों के लिए पहली बार लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी।

चुनाव पूर्व हिंसा : भाजपा कार्यकर्ता की मौत के लिए सीएम ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया है कि नगांव जिले में चुनाव पूर्व हिंसा के दौरान *कांग्रेस के गुंडों* ने एक भाजपा कार्यकर्ता पर *हिंसक हमला किया और उसकी हत्या कर दी।* शुक्रवार को, भाजपा कार्यकर्ता बिप्लब सैकिया की जिले के समागुरी निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव से पहले दोनों दलों के सदस्यों के बीच झड़प में कथित तौर पर लगी चोटों के कारण मौत हो गई। श्री शर्मा ने एक्स पर लिखा कि समागुरी के हमारे @BJPy असम कार्यकर्ता स्वर्गीय बिपुल सैकिया के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जिन पर @INCअसम के गुंडों ने हिंसक हमला किया और उनकी हत्या कर दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिम्मेदार लोगों को न्याय का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि पार्टी द्वारा *संविधान की रक्षा* करने का सार्वजनिक आह्वान, उनके द्वारा *चुनाव संबंधी हिंसा भड़काने* के बयान से मेल नहीं खाता। खबरों के अनुसार, गुरुवार दोपहर को भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं, कथित तौर पर आरोप है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की रैलियों में बाधा डाली। झड़पों में भाजपा कार्यकर्ता -शेष पृष्ठ दो पर

असम ने पीएम-किसान योजना में सौ प्रतिशत कवरेज हासिल किया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 26 अक्तूबर को कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि योजना कई जिलों में सफलतापूर्वक संतृप्ति स्तर पर पहुंच गई है, जो 100 प्रतिशत कवरेज को पार कर गई है। यह उपलब्धि केंद्र सरकार की पहल के तहत किसानों को सशक्त बनाने के राज्य के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। शर्मा ने पांच जिलों: माजुली, लखीमपुर, शिवसागर, चराइदेउ और गोलाघाट के प्रभावशाली आंकड़ों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पीएम-किसान योजना अब इन क्षेत्रों में संतृप्ति प्राप्त कर चुकी है, जिसमें माजुली 163 प्रतिशत कवरेज के साथ सबसे आगे है। लखीमपुर 122 प्रतिशत, शिवसागर 108 प्रतिशत, चराइदेउ 107 प्रतिशत और गोलाघाट 101 प्रतिशत कवरेज के साथ दूसरे स्थान पर है। कुल मिलाकर, इस योजना से अब असम भर में 17.5 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी जिले समान संतृप्ति स्तर प्राप्त करें, जिससे *अन्नदाता* के रूप में जाने जाने वाले कृषि समुदाय का उत्थान हो सके। -शेष पृष्ठ दो पर

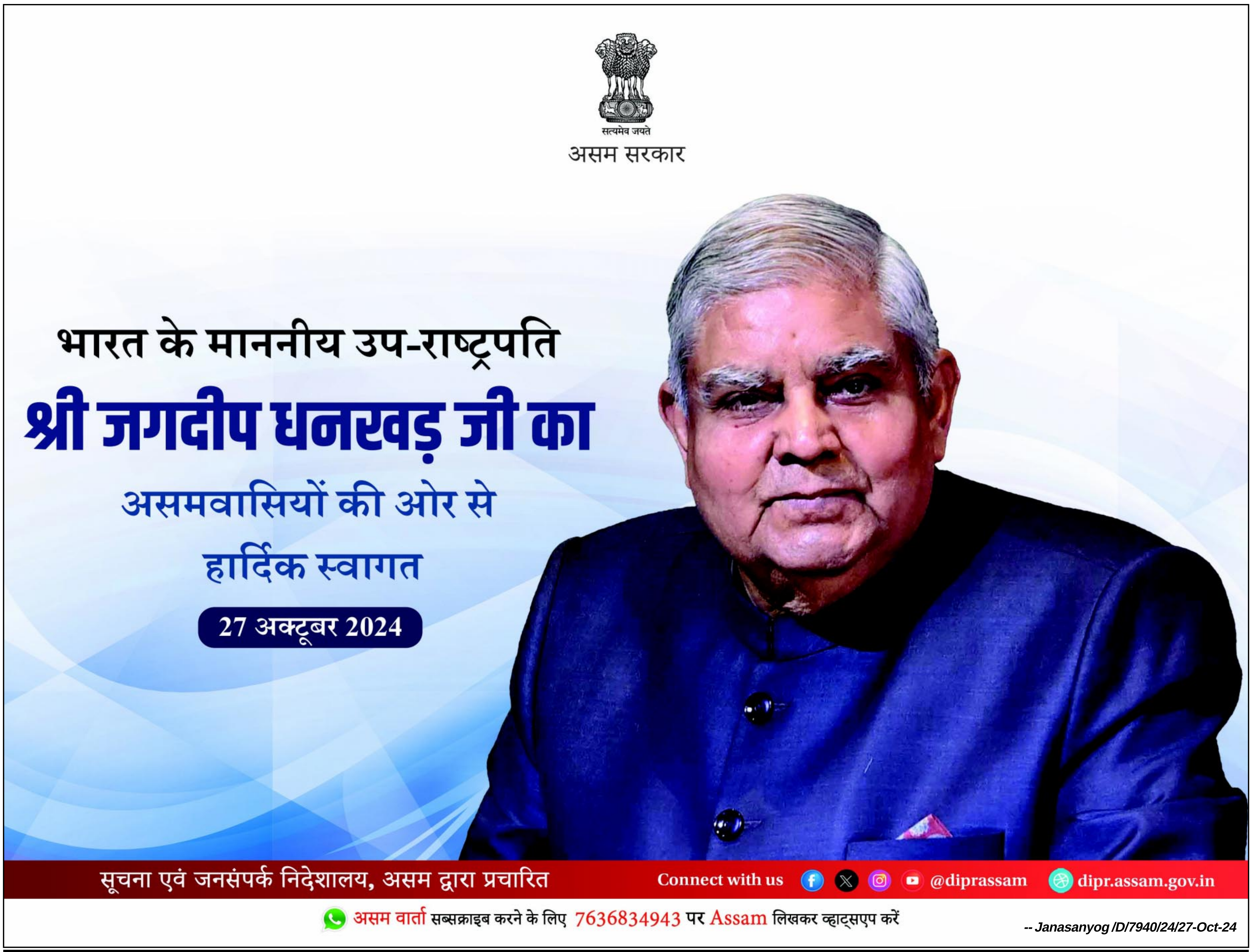

-- Janasanyog /D/7940/24/27-Oct-24

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राज्य में 20 हजार शिक्षक प्रशिक्षकों की भर्ती की जाएगी : शिक्षामंत्री

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने हाल ही में राज्य सरकार की योजना की घोषणा की है कि वह अंग्रेजी और मीडिया एवं सूचना साक्षरता पर केंद्रित गहन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए लगभग 20,000 *शिक्षक प्रशिक्षकों* की भर्ती करेगी। भर्ती का उद्देश्य राज्य में शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना है, जिससे इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक मजबूत आधार तैयार हो सके। डॉ. पेगू ने यह घोषणा यहां रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (आरजीयू) द्वारा आयोजित भारतीय अंग्रेजी भाषा शिक्षक संघ (ईएलटीएआई) के 18वें अंतर्राष्ट्रीय और 54वें वार्षिक सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान की। 23 से 26 अक्तूबर, 2024 तक चलने वाला यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम अंग्रेजी विभाग, रॉयल स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, आरजीयू और अंग्रेजी विभाग, सोनापुर कॉलेज की संयुक्त पहल है। अपने भाषण के दौरान, डॉ. पेगू ने ईएलटीएआई के संस्थापक स्वर्गीय पद्म श्री पुरस्कार विजेता नटराजन को श्रद्धांजलि अर्पित की और अंग्रेजी को दुनिया की सबसे बड़ी भाषा बताया। उन्होंने भाषा सीखने में तंत्रिका विज्ञान के महत्व पर जोर दिया और 21वीं सदी में बहुभाषावाद और डिजिटलीकरण को वैश्विक रूप से अपनाने की वकालत की। उन्होंने आगे कहा कि अंग्रेजी क्षेत्रीय भाषाओं, जाति, पंथ और राष्ट्रीयता की सीमाओं को पार करने के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करती है, जिससे वास्तव में वैश्वीकृत समाज का निर्माण होता है। मंत्री ने *ब्रह्म* या विषय का सच्चा ज्ञान प्राप्त करने के लिए व्युत्पत्ति विज्ञान के क्षेत्र सहित भाषाओं की उत्पत्ति और विकास का अध्ययन करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ईएलटीएआई के सदस्यों को अंग्रेजी शिक्षण में अपने अनुभवों को दस्तावेज करने और अनुसंधान में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जो सीखने की प्रक्रिया में चुनौतियों का समाधान कर सकता है। डॉ. पेगु ने पाठ्यक्रम डिजाइन और कार्यप्रणाली पर ईएलटीएआई सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए, यह सुनिश्चित करते हुए कि सम्मेलन के परिणामों को असम के शैक्षिक ढांचे में एकीकरण के लिए विचार किया जाएगा।

धर्म शासित समाज में गैरबराबरी का कोई स्थान नहीं : उपराष्ट्रपति

बंगलूरू। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि धर्म भारतीय संस्कृति का सबसे मौलिक सिद्धांत है, जो जीवन के सभी पहलुओं में मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि धर्म शासित समाज में गैरबराबरी का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म केवल मार्ग नहीं, बल्कि मंजिल और लक्ष्य भी है, जो प्रणियों सहित अस्तित्व के सभी क्षेत्रों में लागू होता है। धनखड़ ने कहा कि धर्म व्यावहारिक आदर्श के रूप में काम करता है, जो सही जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन करता है। धनखड़ ने कहा कि सनातन का मतलब है सहानुभूति, करूणा, अहिंसा, सद्गुण और ये सभी एक ही शब्द में समाहित होते हैं- समावेशिता। सुवर्ण भारती महोत्सव के हिस्से के रूप में श्री शारदा पीठम की ओर से आयोजित *नमः शिवाय परायण* में भाग लेते हुए धनखड़ ने इसे अद्वितीय और प्रभावशाली कार्यक्रम बताया। उन्होंने कहा कि यह मन, दिल और आत्मा को गहराई से जोड़ता है और सभी को एक साथ लाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैदिक जाप मानवता की सबसे प्राचीन मौखिक परंपराओं में से एक है। उन्होंने कहा कि इन पवित्र मंत्रों की सटीक लय, उच्चारण और तरंगे मानसिक शांति लाती है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि वेदों की संरचना और उनके पाठन की जटिलता प्राचीन विद्वानों की वैज्ञानिक उत्कृष्टता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा बिना लिखित रिकॉर्ड के संरक्षित की गई है, जो भारतीय संस्कृति के ज्ञान को मौखिक रूप से पीढ़ियों तक पहुंचाने की क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति की विशेषता इसकी विविधता में एकता है, जो समय के साथ विभिन्न परंपराओं के मिश्रण से बनी है। इस यात्रा ने विनम्रता और अहिंसा के मूल्यों को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत की अपनी समावेशिता अद्वितीय है, जो एकता की भावना के साथ पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करती है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भारत ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली। ईरान पर इस्राइल के ताजा जवाबी हमलों के बाद पश्चिम एशिया में एक बार तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस बीच, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में क्षेत्र में बढ़ते तनाव और शांति व स्थिरता पर उसके प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और बातचीत व कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। मंत्रालय ने कहा कि जारी संघर्ष से किसी को कोई भी लाभ नहीं है, जबकि निर्दोष बंधक और नागरिक आबादी लगातार पीड़ित हो रही है। उसने आगे बताया कि क्षेत्र में हमारे मिशन भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा पर ध्यान दे रहे हैं।

मोरीगांव जेल से फरार कैदी फिर पकड़ा गया, तीन अभी भी फरार

मोरीगांव। असम के मोरीगांव जिला जेल से 11 अक्तूबर को भागे पांच कैदियों में से एक को शनिवार, 26 अक्तूबर को मोरीगांव पुलिस ने फिर से पकड़ लिया। पकड़े गए कैदी सैफुद्दीन को मोरीगांव सदर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नगांव स्टैंड इलाके से पकड़ा गया। अधिकारियों ने खुलासा किया कि जेल से भागने के बाद से सैफुद्दीन फरार था, जिसमें वह चार अन्य कैदियों के साथ अपने बैरक से भागने में सफल रहा था। लाहौरीघाट के महमारी पोथर निवासी सैफुद्दीन को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम के तहत दो साल की सजा सुनाई गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सैफुद्दीन ने मोरीगांव लौटने से पहले नगालैंड के दीमापुर में शरण ली थी, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। अधिकारियों को उम्मीद है कि उससे पूछताछ से भागने और उससे जुड़ी घटनाओं के बारे में पता चलेगा। यह घटना चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि तीन अन्य भागने वाले - तेजपुर के मिसामारी से जियारुल इस्लाम, मैराबाड़ी से मफिदुल इस्लाम और लहरीघाट से नूर इस्लाम - अभी भी फरार हैं। जेल से भागने की घटना ने तब दुखद मोड़ ले लिया जब पांचवें भागने वाले अब्दुल रशीद का शव 14 अक्तूबर को लाहौरीघाट के एक तालाब में मिला। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि उसकी मौत आकस्मिक थी या किसी साजिश का नतीजा। भागने के बाद, मोरीगांव जिला जेल सुरक्षा में कथित चूक के लिए जांच के दायरे में आ गई है। जेल वार्डन तपन भुयान और अनूप मालाकार को संदिग्ध लापरवाही के लिए तत्काल निलंबित कर दिया गया।

मिजोरम सरकार और असम राइफल्स ने बल के ठिकानों को स्थानांतरित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए : सीएम

एजल। मिजोरम सरकार और असम राइफल्स ने अर्धसैनिक बल के ठिकानों को एजल के हृदय स्थल से शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर जोखावसांग में निर्दिष्ट बटालियन परिसर में स्थानांतरित करने के लिए औपचारिक रूप से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शनिवार को कहा। असम राइफल्स के बेस एजल में जोडिन स्क्वायर (लैमुअल) और खटला क्षेत्रों में हैं। इसके अलावा, इसके पास राजभवन के पास तुईकुआहट्लांग में एक डीआईजी आवास, एक कमांडेंट बंगला (लोच हाउस) और जोडिन के पास तुईकुअल क्षेत्र में एक चर्च, तथा मुख्यमंत्री के बंगले के पास बाबुतलांग में जमीन के कुछ भूखंड और राज्य की राजधानी के पूर्वी भाग में चिट्टे के अलावा जोडिन में एक युद्ध स्मारक और मंदिर भी है। लालदुहोमा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि असम राइफल्स के ठिकानों को एजल से जोखावसंग स्थानांतरित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओए) पर 23 अक्तूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह अमित शाह की जानकारी में और मुख्यमंत्री, विधायकों और मिजोरम सरकार और असम राइफल्स के महत्वपूर्ण अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने बताया कि मिजोरम सरकार की ओर से राज्य सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त एवं सचिव वनलालदीना तथा असम राइफल्स के महानिदेशक विकास लखेरा ने इस पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि हालांकि स्थानांतरण अगले वर्ष अप्रैल में प्रभावी होगा, लेकिन अर्धसैनिक बल तीन स्थानों- चिट्टे नदी (62.8 एकड़), तुइकुअल चर्च क्षेत्र (0.63 एकड़) और बाबुतलांग (0.453 एकड़) - पर अपनी भूमि या क्षेत्र और संपत्ति समझौते पर हस्ताक्षर होने के तीन महीने के भीतर राज्य सरकार को सौंप देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष अप्रैल में चालू शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के बाद असम राइफल्स जोखावसांग में स्थानांतरित हो जाएगी और अपना मुख्य बैरक परिसर, एआर ग्राउंड या लामुअल, जोडिन में यूनिट अस्पताल और अन्य सुविधाएं (25.94 एकड़), तुइकुअल में लोच हाउस और भूमि (1.1 एकड़), वनपा हॉल के पास क्वार्टर गार्ड हिल कॉम्प्लेक्स (14.5 एकड़), स्कूल क्षेत्र (1 एकड़) और जोडिन में युद्ध स्मारक और मंदिर खाली कर देगी।

मणिपुर : असम राइफल्स ने 425 अभियानों में सैंकड़ों हथियार बरामद किए

कोलकाता (हि.स.)। असम राइफल्स ने मणिपुर में बीते एक साल में 425 से अधिक खुफिया-आधारित अभियान चलाए और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। कोलकाता स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स ने इन अभियानों के दौरान उत्तर-पूर्व भारत में कई उग्रवादी ठिकानों को नष्ट किया है। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन 425 अभियानों में से 220 इंफाल घाटी में और 206 मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में संचालित किए गए। इन अभियानों में, इंफाल घाटी से 550 और मणिपुर की पहाड़ियों से 930 हथियार बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, असम राइफल्स के जवानों ने मणिपुर की पहाड़ियों में 78 बंकर और इंफाल घाटी में 51 बंकरों को भी नष्ट किया है। विशेष रूप से, इंफाल घाटी को मैती समुदाय का क्षेत्र माना जाता है, जबकि पहाड़ी इलाकों में कुकी समुदाय का वर्चस्व है। असम राइफल्स ने अपने दो बटालियनों को इंफाल घाटी से जम्मू-कश्मीर में स्थानांतरित किया है ताकि वे वहां आतंकवाद विरोधी अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का सहयोग कर सकें। भारतीय सेना, असम राइफल्स और सीआरपीएफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ मिलकर मणिपुर के संकट को हल करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। असम राइफल्स के नए महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा भी इस मामले में संबंधित एजेंसियों कर नागरिक समाज के साथ घनिष्ठ समन्वय कर रहे हैं ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके।

रेचल गुप्ता के सिर सजा मिस ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज

मुंबई। ब्यूटी क्वीन बनने का सपना तो बहुत सी लड़कियां देखती हैं, लेकिन कुछ के सपनों को ही उड़ान मिल पाती है। ऐसे में अब जालंधर की बिटिया और मिस ग्रैंड इंडिया रेचल गुप्ता ने थाईलैंड के बैंकॉक में हो रहे मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 ने भारत को रिप्रजेंट किया। रेचल ने न केवल मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 में हिस्सा लिया, बल्कि इसे जीता भी है। जी हां, आपने ठीक सुना। 20 साल की रेचल गुप्ता सिर मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 की जीत का ताज सजा। थाईलैंड के बैंकॉक में एमजीआई हॉल में वर्ल्ड फाइनल के दौरान पेरू की लुसियाना फस्टर ने भारतीय महिला रेचल गुप्ता को ताज पहनाया। रेचल मिस ग्रैंड इंटरनेशनल का खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। ऐसे में उन्होंने इतिहास रच दिया है।

ईरान में पुलिस काफिले पर बड़ा हमला, दस अधिकारियों की मौत

दुबई। ईरान के अशांत दक्षिणी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में शनिवार को पुलिस के काफिले पर बड़ा हमला हुआ है। खबरों के अनुसार हमले में कम से कम 10 अधिकारी मारे गए। जानकारी के अनुसार ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में गोहर कुह में हमला हुआ है। इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ पाई है। शुरूआत में केवल बदमाशों द्वारा किए गए हमले का जिक्र किया गया था। हालांकि, कुछ ही समय बाद ईरानी सरकारी मीडिया ने जानकारी दी कि 10 अधिकारी मारे गए हैं। अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान के बलूच लोगों के लिए वकालत करने वाले समूह हलवाश ने ईरानी पुलिस वाहनों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हरी पट्टी से रंगे एक ट्रक की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। समूह द्वारा साझा की गई एक ग्राफिक तस्वीर में ट्रक की अगली सीट पर दो पुलिस अधिकारियों की लाशें दिखाई दे रही थीं। हलवाश ने कहा कि हमला दो सुरक्षा बलों के वाहनों को निशाना बनाकर किया गया और उनमें सवार सभी लोग मारे गए। ट्रक में केवल गोलियों से नुकसान हुआ था, न कि किसी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि देश के आंतरिक मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि इसकी वजह से कई पुलिस वाले बलिदान हो गए। एपी के अनुसार अधिकारियों ने हमले के लिए किसी संदिग्ध की पहचान नहीं की है, न ही किसी समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली है। यह हमला शनिवार की सुबह-सुबह पूरे ईरान में इजरायल द्वारा किए गए बड़े हमले के बाद हुआ।

प्रियंका गांधी के चुनावी हलफनामे पर भाजपा ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। शनिवार को भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रियंका गांधी के हलफनामे को भ्रष्टाचार का नमूना बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने लोगों से अपनी संपत्ति का विवरण छुपाया है। गौरव भाटिया ने कहा कि संविधान और कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। प्रियंका और राहुल गांधी ने जनता के साथ फरेब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति हलफनामा में अपनी संपत्ति और क्राइम रिकॉर्ड की जानकारी देगें। यह जानना जनता का अधिकार है। इसके बावजूद हलफनामे में नेशनल हेराल्ड केस की जानकारी नहीं दी गई है। राहुल गांधी ने 2 लाख 462 शेयर एक ट्रस्ट के माध्यम से रखे हैं। यह यंग इंडिया का शेयर है। प्रियंका गांधी भी इसका शेयर रखती हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति ने तीन कम्पनी में पार्टनर होने की बात कही है जबकि वे पांच कंपनियों में पार्टनर हैं।

मौत के बाद स्वर्ग पहुंची महिला, फिर दरवाजे से वापस लौट आई

ओटावा। हमारी जिंदगी का एक अटल सत्य मृत्यु है, जिसको चाहकर भी कोई नहीं टाल सकता है। इसको लेकर आपने आजतक कई कहानियां पढ़ी होगी। जहां लोगों को स्वर्ग और नर्क के बारे में बताया जाता है। ऐसी ही एक कहानी इन दिनों भी लोगों के बीच सामने आई है। जहां एक महिला ने ऐसा दावा किया। जिसे सुनने के बाद लोग काफी ज्यादा हैरान नजर आ रहे हैं। दरअसल महिला का ऐसा कहना है कि वो स्वर्ग के दरवाजे से वापस लौटकर आई है। महिला के इस दावे को सुनकर हर कोई हैरान नजर आ रहे हैं। मामला कनाडा का है, यहां एम्बर नाम की महिला ने दावा किया वो जब थोड़े समय के लिए मेरी मौत हुई तो मैं स्वर्ग की तरफ दूसरी दुनिया में चली गई थी। महिला ने अपने इंटरव्यू में कहा कि *मृत्यु मेरे जीवन की सबसे अविश्वसनीय चीज थी।* अपनी कहानी को महिला ने डेली स्टार को बताते हुए कहा कि मुझे डबल ब्रेन स्ट्रोक आया था। जिसके बाद डॉक्टरों ने मेरे बचने के चांस को 50-50 बताया। एक समय तो ऐसा आ गया था कि मेरे बचने के चांस बिल्कुल ना के बराबर थे। आलम तो ऐसा था कि मेरे परिवार ने मान लिया था कि मेरी मृत्यु हो चुकी है। इस दौरान मैंने नर्सों को अपने बच्चे से कहते सुना कि अपनी मां से अब जो भी कहना है कहो, क्योंकि तुम शायद उसे फिर कभी नहीं देख पाओगे। ये सारी बातें मैं अचेत होकर सुन रही थी। मैं बेहोशी की हालत में बस बड़बड़ा रही हूं। जबकि वास्तव में, मैं उनसे बात करने की कोशिश कर रही थी। मैं अपने बच्चों को उनके दादा-दादी द्वारा अस्पताल ले जाते हुए भी देख सकती थी। मैं अपने पति को मेरे शरीर पर रोते हुए देख सकती थी। इस सबके बाद मैंने देखा कि मैं अब धरती छोड़कर प्रकाश की तरफ जा रही हूं। इस दौरान मुझे काफी बुरा लग रहा था क्योंकि मैं अपने परिवार को छोड़कर जा रही थी। हालांकि मैं बिल्कुल नहीं डरी क्योंकि मुझे पता था कि सब ठीक होने वाला है। इसके मैं सीधा स्वर्ग के दरवाजे पर पहुंच गई। जहां वास्तव में मेरे पैरों के नीचे घास थी। जिसे मैं महसूस कर सकती थी। यहां रहने वाला हर शख्स काफी खुश नजर आ रहे थे और इन्हें देखकर समझ आ रहा था कि ये सभी वो लोग हैं, जिन्होंने अपने जीवन में अच्छे कर्म किए है। इसके बाद मेरे सामने फरिश्ते ने दो ऑप्शन रखे कि मैं या तो यही रह जाऊं या फिर वापस अपने शरीर में चली जाऊ। हालांकि ये मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं होने वाला था क्योंकि मैं यहां रहना चाहती थी और मुझे अपने घर भी वापस जाना था।

बम की फर्जी कॉल को लेकर एक्शन में केंद्र, जारी हुई एडवाइजरी

नई दिल्ली। बम धमकियों को लेकर फर्जी कॉल्स पर आईटी मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की है। वहीं मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी मदद मांगी गई है। जानकारी के मुताबिक मंत्रालय ने इस मुद्दे को सुलझाने में मदद के लिए एक्स, मेटा और अन्य प्लेटफॉर्म से संपर्क किया है। वहीं जानकारी के मुताबिक फर्जी बम धमकियों के मामले में सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की तरफ से *उचित परिश्रम* अनुपालन में विफलता के मामले में परिणामी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक परामर्श जारी किया, जिसमें सभी राज्यों से साइबर कमांडो की एक विशेष शाखा स्थापित करने का आग्रह किया गया। यह पहल पिछले सप्ताह भारतीय एयरलाइनों को लक्षित करने वाले 100 से अधिक फर्जी बम धमकियों के जवाब में की गई है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई और एयरलाइनों को वित्तीय नुकसान हुआ। इनमें से अधिकांश खतरों का पता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खातों से लगाया गया था, जिन्हें वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या डार्क वेब ब्राउजर का उपयोग करके बनाया गया था, जो जांच एजेंसियों द्वारा पता लगाने से बच रहे थे। भारतीय साइबर अपराध

पृष्ठ एक का शेष

चुनाव पूर्व हिंसा...

घायल हो गया और एक दिन बाद बाजियागांव में अपने घर पर उसकी मौत हो गई, जिससे चुनाव संबंधी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना में पत्रकारों सहित कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं। हालांकि पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि सैकिया की मौत हिंसा में लगी चोटों के कारण हुई है या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि मौत की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। इस निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार दिप्लू रंजन शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के तंजील हुसैन से है। यहां 13 नवंबर को मतदान होगा। तंजील पूर्व कांग्रेस मंत्री रकीबुल हुसैन के पुत्र हैं, जो पिछले 23 वर्षों से सामागुरी का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, तथा इस वर्ष के प्रारंभ में धुबड़ी से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उन्होंने यह सीट छोड़ दी थी।

असम ने पीएम-किसान...

शर्मा ने कहा कि नौ जिलों में प्रदर्शन के मूल्यांकन से असाधारण उपलब्धियां सामने आई हैं, विशेष रूप से ऊपरी असम क्षेत्र में, जहां कवरेज दर राज्य के औसत 26.46 प्रतिशत से अधिक हो गई है। पीएम किसान भारत सरकार से 100 प्रतिशत वित्त पोषित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। यह 1.12.2018 से चालू हो गई है। इस योजना के तहत सभी भूमिधारक किसान परिवारों को तीन बराबर किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 की आय सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के लिए परिवार की परिभाषा पति, पत्नी और नाबालिग बच्चे हैं। राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन उन किसान परिवारों की पहचान करेंगे जो योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार सहायता के लिए पात्र हैं। यह निधि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। योजना के लिए विभिन्न बहिष्करण श्रेणियां हैं।

नुमलीगढ़ में लगी आग में कई व्यवसायिक प्रतिष्ठानें जलकर राख

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के नुमलीगढ़ में लगी भीषण आग में कई व्यापारिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गईं। पुलिस ने आज बताया कि आग की लपटों को देखकर नुमलीगढ़ तिनाली के लोग आतंकित हो गए। इस आग ने देखते ही देखते कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों को अपनी चपेट में ले लिया। गोलाघाट सदर, बोकाखात और नुमलीगढ़ रिफाइनरी की कई दमकल गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में लाखों रुपए की संपत्ति के जलकर राख होने की आशंका जताई जा रही है। इसी बीच आग लगने की घटना के कारण ऊपरी तथा निचले असम के अनेक वाहन एनएच 37 पर काफी देर तक फंसे रहे, जिससे भारी जाम लग गया। आखिरकार स्थानीय लोगों, फायर ब्रिगेड और पुलिस प्रशासन ने मिलकर आग पर काबू पाया।

हिन्दू समाज के खिलाफ सक्रिय तत्वों से रहना होगा सतर्क : होसबाले

मथुरा (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को कहा कि हिन्दू समाज के खिलाफ सक्रिय तत्वों से हमें सावधान रहना होगा। उन्होंने एक गीत का उल्लेख करते हुए कहा कि हिन्दू समाज जब-जब हिन्दू भाव को भूला तो समाज पर बड़ी विपदा आई। हम जाति, भाषा, प्रांत, अगड़ा-पिछड़ा के नाम पर बटेंगे तो हम कटेंगे। इसलिए किसी भी राष्ट्र के नाते एकता आवश्यक है। हिन्दू समाज को संगठित होना आवश्यक है। आज बहुत सारे लोग इसे अनुभव से समझ रहे हैं। हिन्दू समाज का संगठन सुख देने वाला है। इससे अपनी तो रक्षा होगी ही, दुनिया के लिए भी यह मंगल होगा। सरकार्यवाह होसबाले मथुरा जिले के परखम में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की दो दिवसीय बैठक के अंतिम दिन शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संघ में हर स्तर के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण वर्ग पद्धति और परम्परा है। शाखा में आने वाले सामान्य विद्यार्थी से लेकर जिला, प्रांत एवं गृहस्थ कार्यकर्ता, प्रचारक, ऐसे सब प्रकार के कार्यकर्ताओं के लिए भिन्न-भिन्न अंतराल पर हम प्रशिक्षण वर्ग करते हैं। संघ की पद्धति है व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण। संघ कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया निरंतर जारी रखता है। उन्होंने बताया कि संघ के विभिन्न आयामों से समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोग जुड़ते हैं, उनके साथ संघ के विचार को कैसे सम्प्रेषित करना चाहिए, इस बैठक में इस पर चर्चा हुई है। सरकार्यवाह ने कहा कि इस वर्ष संघ ने विजयादशमी पर शताब्दी वर्ष में प्रवेश किया है। आगामी विजयादशमी के बाद शताब्दी वर्ष पर जो भी कार्यक्रम मनाना है उस पर सोच रहे हैं। अभी कार्य विस्तार व कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने पर आग्रह था। प्रत्येक स्वयंसेवक पंच परिवर्तन के विषयों को अपनी शाखा, घर, परिवार और मुहल्लों में समाज परिवर्तन के लिए अपने जीवन व्यवहार में लाएं। मतांतरण व लव जिहाद के बारे में होसबाले ने कहा कि किशोरियों को बचाना हमारा काम है। हमारी युवतियां जानी ही नहीं चाहिए। परिवार में घर में अच्छा संस्कार मिलना चाहिए। केरल में लगभग 200 युवतियों को बचाने का काम हुआ। जो चली गयी थीं वह वापस आईं। वापस आने के बाद उन युवतियों ने इसके बारे में जागरुकता के लिए काम किया। सरकार्यवाह ने कहा कि धर्म जागरण समन्वय के माध्यम से घर वापसी का काम हो रहा है। संघ के स्वयंसेवक मतांतरण न हो और जो चले गए हैं उनकी वापसी के लिए काम कर रहे हैं। मतांतरण से राष्ट्रांतरण होता है। इन विषयों को समाज के सामने लाना चाहिए। समाज का आचरण भी ठीक होना चाहिए। समाज में गरीबी व अस्पृश्यता है। इसलिए सेवा बस्तियों में सेवा कार्य होना चाहिए। संघ का कार्य ही स्व के जागरण के लिए शुरू हुआ। भारत का स्व यानी यहां की मिट्टी की सुगंध। स्वतंत्रता आंदोलन का स्व राष्ट्रीय स्वत्व है। स्व को हम अपने ग्राम स्वराज में, शिक्षा में, व्यापार में, युद्ध में, स्वास्थ्य में लाएं। हमारी भाषा, संस्कृति, जीवनशैली हमारी सभ्यता के अनुरूप हो। भारत की ज्ञान परम्परा के बारे में आज तमाम पुस्तकें आ चुकी हैं। हमारे हर आयाम में स्व दिखना चाहिए। वक्फ बोर्ड के बारे में सरकार्यवाह ने कहा कि 2013 तक यह समस्या नहीं थी। वक्फ को पूरा अधिकार दे दिया। जिलाधिकारी भी कुछ नहीं कर सकता। भारत के अंदर एक स्वतंत्र इकाई हो गयी। लक्षित हिंसा विधेयक भी लाया गया था। यह हिन्दू मुस्लिम का विषय नहीं है। मुस्लिम भी वक्फ के शोषण से त्रस्त हैं। किसी पार्टी या समुदाय का प्रश्न नहीं हैं। देश की भावना के अनुरूप इसमें आवश्यक संशोधन करना है। होसबाले ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा के लिए नहीं, बल्कि सबको संदेश देते हैं। कुटुम्ब प्रबोधन कांग्रेस और वामपंथियों के लिए भी होना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आए थे। वह अखिल भारतीय अधिकारियों के साथ बैठे थे। मुख्यमंत्री ने कुम्भ के आयोजन के संबंध में चर्चा की है।

गुवाहाटी के नीलाचल फ्लाईओवर में आई दरारें

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में पिछले कई वर्षों में कई लंबे फ्लाईओवर बनाए गए हैं। असम के सबसे लंबे फ्लाईओवर गुवाहाटी के मालीगांव स्थित नीलाचल में बनाए गए फ्लाईओवर में कई स्थानों पर दरारें देखी गई हैं। यह फ्लाईओवर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विस्व सरमा ने पिछले साल अगस्त में इसका लोकार्पण किया था, जो 2,992 मीटर लंबा है और मालीगांव से कामाख्या गेट तक फैला है। निर्माण पर 420.75 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। स्थानीय लोग व राहगीरों के अनुसार, फ्लाईओवर के विभिन्न स्थानों पर दरारें और क्षतिग्रस्त सड़क के निशान दिखाई दे रहे हैं, खासकर मालीगांव से संजीवनी अस्पताल रोड इलाके में दरार देखी जा रही है। दरार को सबसे पहले शुक्रवार को पैदल चलने वालों ने देखा। कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाले निर्माण और ठेकेदारों द्वारा काम अधूरा छोड़ने के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई। स्थानीय राहगीरों और निवासियों के मुताबिक सरकारी विभाग इस समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा है। उनका आरोप है कि फ्लाईओवर के निर्माण के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग नहीं किए जाने के कारण महज एक साल के भीतर ऐसी दरारें आ गई, जो जनता के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। फ्लाईओवर की निगरानी के लिए संबंधित अधिकारियों की सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। स्थानीय निवासियों ने आम लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर इन दरारों की जल्द से जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

विस उपचुनाव : सबसे अमीर और सबसे गरीब उम्मीदवार

गुवाहाटी (हिंस)। असम की पांच विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनावों के लिए नामांकन पत्र भरने वाले उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी संपत्ति का ब्यौरा प्रस्तुत किया है। सभी उम्मीदवारों में, बंगाईगांव में सबसे अमीर कांग्रेस के ब्रजनजीत सिंघा हैं, जिनके पास 1,86,12,744 रुपए की संपत्ति है। सम्पत्ति के मामले में वे पहले स्थान पर हैं। इसके बाद सामागुरी में भारतीय जनता पार्टी के दीप्लू रंजन सरमा सबसे अमीर प्रत्याशी हैं, जिनकी कुल संपत्ति 1,37,24,246 रुपए की है। इसके विपरीत, धोलाई से निर्दलीय उम्मीदवार परिमल दास के पास सबसे कम वित्तीय संसाधन हैं, जिनकी कुल संपत्ति केवल 22 हजार रुपए है। इसी तरह, सामागुरी के मुसब्बीर अली अहमद, जिनकी कुल संपत्ति 40 हजार रुपए है, और जेहिरुल इस्लाम के पास 45 हजार रुपए की संपत्ति है।

वाराणसी के स्टडी टूर पर गुवाहाटी के महापौर सहित पार्षदों की टीम

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के महापौर एवं 60 पार्षद तथा अन्य विभागीय सदस्यों समेत कुल 74 डेलिगेट्स की एक टीम इन दिनों वाराणसी में स्टडी टूर पर है। सात दिवसीय इस स्टडी टूर में डेलीगेट्सो ने लखनऊ पुर निगम व वाराणसी पुर निगम की विभिन्न परियोजना तथा कामकाज को पर्यवेक्षण किए। महापौर का वहां पर भव्य स्वागत किया गया। वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी की उपस्थिति में गुवाहाटी के डेलीगेटस को नगर के विभिन्न कार्यों तथा विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी गयी। उन्होंने शहर की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किए जाने की व्यवस्था तथा स्मार्ट सिटी, महिला सुरक्षा पर उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी ली। पार्षद अजय चक्रवर्ती ने बताया कि यह *स्टडी टूर* उनके लिए बहुत ही लाभदायक साबित होगा जिससे उन्हें आगे चलकर काम करने में बहुत सहायता मिलेगा।

प्रागज्योतिष कॉलेज में *नाक* का निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नाक) के निरीक्षकों के बोर्ड द्वारा गुवाहाटी शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के कॉलेजों में 25 और 26 अक्टूबर को तीसरे चक्र का निरीक्षण किया गया। दो दिवसीय निरीक्षण के दौरान निरीक्षक की टीम के अध्यक्ष के रूप में जेईपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नोएडा के कुलपति डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. सुबीर बिस्वास, प्रोफेसर, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता और डॉ. अशोक पांडुरंग महाजन, प्रगति कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, महाराष्ट्र सदस्य के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ कॉलेज की विभिन्न समितियों के प्रमुखों के साथ भी बातचीत की। इसके अलावा, छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ-साथ माता-पिता के साथ चर्चा की जाती है। इंस्पेक्टर की टीम के सदस्यों ने कॉलेज के स्थानीय निवासियों के साथ भी बातचीत की और उन्होंने कॉलेज के विभिन्न विभागों और सुविधाओं का आकलन किया।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिला मुख्यालय काजलगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। एक अपंजीकृत हॉंडा मोटरसाइकिल को एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार का शव क्षत-विक्षत होकर नेशनल हाईवे पर बिखर गया।

कुख्यात ड्रग माफिया को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कुख्यात ड्रग्स माफिया सद्दाम हुसैन को धिंग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक संजीवन गर्ग के नेतृत्व में धिंग और आहोमगांव पुलिस के नेतृत्व में चलाए गए संयुक्त अभियान में दुकदुकी के कुख्यात ड्रग्स माफिया सद्दाम हुसैन को एक पैकेट ड्रग्स और छह तंबाकू की डिब्बी के साथ शिलपुखुरी से गिरफ्तार किया गया। वह लंबे समय से अपनी पत्नी के साथ इलाके में ड्रग्स का कारोबार चला रहा था। ज्ञात हो कि सद्दाम कई बार पकड़ा गया और जेल भी गया। जब सद्दाम जेल में था, तब उसकी पत्नी ड्रग्स का कारोबार करती थी। दोनों ने जेल से वापस आकर धंधा चलाने पर पत्नी को भी पकड़ा गया है और जेल भी भेजा गया है। धिंग पुलिस अधिक जानकारी के लिए पूछताछ कर रही है।

नलबाड़ी में पति पर पत्नी की हत्या का आरोप

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी में एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी की हत्या करने करने का आरोप लगा है। नलबाड़ी के कोक्या में आरोपी ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि पत्नी की हत्या कर नशाखोर पति ने इसे आत्महत्या का मामला बनाने की कोशिश की। मृतक की पहचान नवनीता दास (22) के रूप में हुई है। बेलसर पुलिस ने घटना के सिलसिले में मृतक महिला के पति हीरक ज्योति नाथ को हिरासत में लिया है। परिजनों का आरोप है कि दहेज के कारण यह घटना हुई है। शादी के बाद से ही हीरक नाथ नवनीता के परिवार से दहेज के नाम पर पैसे की मांग कर परेशान करता रहा है। यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी पति एक ड्रग्स एडिक्ट है, जो शादी के बाद से अक्सर नवनीता दास की पिटाई करता था। मौके पर पहुंचकर बेलसर पुलिस ने नवनीता दास के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिपुल सैकिया के घर पहुंचे मंत्री बिमल बोरा, भाजपा प्रत्याशी दिप्लू रंजन शर्मा

सामागुड़ी उपचुनावी हिंसा में घायल बिपुल सैकिया की हुई मौत

नगांव (हिंस)। असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा और भाजपा उम्मीदवार दिप्लू रंजन शर्मा सामागुरी चुनावी हिंसा में मारे गए बिपुल सैकिया के आवास पर आज पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। संकट की इस घड़ी में मृतक के परिजनों के साथ खड़े रहने का उन्होंने आश्वासन भी दिया। उल्लेखनीय है कि उपचुनाव के मौके पर सामागुरी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव पूर्व हिंसा में घायल हुए बिपुल सैकिया की मौत हो गई। इसके बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समर्थकों ने हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय निवासी बिपुल की मौत हो गई। ज्ञात हो कि गुरुवार दोपहर बरमा के भगमूर क्षेत्र में हुई झड़पों के बाद शुक्रवार को बिपुल सैकिया की बाजियागांव स्थित अपने घर में मौत हो गई। हिंसा की शुरुआत दोनों पार्टियों के समर्थकों द्वारा एक-दूसरे की रैलियों में बाधा डालने को लेकर हुई। उल्लेखनीय है कि यहां से कांग्रेस ने लोकसभा सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील हुसैन को अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मंत्री रकीबुल ने हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में धुबड़ी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल करने के बाद सामागुरी सीट खाली कर दी थी। वहीं भाजपा ने आगामी चुनाव के लिए दिप्लू रंजन शर्मा को अपना उम्मीदवार उतारा है।

लाखों रुपए के नकली नोट समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मालीगांव इलाके से रेलवे पुलिस ने भारी मात्रा में नकली नोट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कामाख्या रेलवे जंक्शन पर चलाए गए अभियान के दौरान दो तस्करों को भारी मात्रा में नकली नोट समेत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों तस्करों के पास से 23 लाख 44 हजार 5 सौ रुपए के नकली नोट बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए सभी नकली नोट 500 रुपए के हैं। दोनों के पास से कुल 4,689 पांच सौ के नकली नोट बरामद किए गए है। गिरफ्तार दोनों आरोपी गुवाहाटी से बिहार की ओर जाने की योजना बना रहे थे। इसी दौरान दोनों की गिरफ्तारी हुई। रेलवे पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों से कामाख्या रेलवे स्टेशन जीआरपी थाने में सघन पूछताछ कर रही है।

ठगी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भांगागढ़ पुलिस ने ठगी के आरोप में एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) परिसर से ठगी करने के आरोप में नितुल दास नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में चिकित्साधीन एक रोगी का आयुष्मान कार्ड बनवाने को लेकर रोगी के परिजनों से पैसा लिया था। आयुष्मान कार्ड नहीं मिलने पर रोगी के परिजनों ने भांगागढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाकर शातिर ठग नीतुल दास को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी इससे पहले भी ठगी के आरोप में जेल जा चुका है।

मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने तामुलपुर में विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की

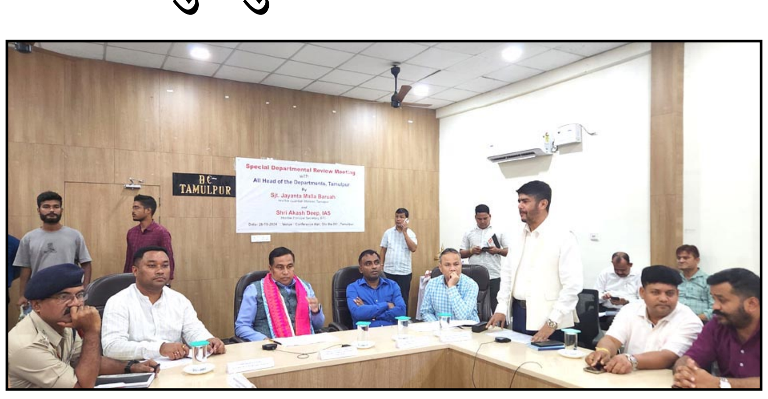

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। असम के पीएचई, कौशल विकास, रोजगार और मंत्री उद्यमिता और पर्यटन, जयंत मल्लबरुवा ने एक व्यापक संचालन किया। आज तामुलपुर जिले में की गई विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। यह समीक्षा इसमें तेजी लाने के उद्देश्य से 26 विभागों के प्रयासों का मूल्यांकन शामिल था जिले की प्रगति मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रगति की हमारी खोज में, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए। ताकि लाभ उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें वास्तव में उनकी आवश्यकता है-हमारे किसान और समुदाय मुक्त करना। यह जरूरी है कि हम अपनी योजनाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए तेजी से और निर्णायक रूप से कार्य करें। बैठक के दौरान मंत्री मल्लबरुवा ने समय पर पूरा होने के महत्व पर जोर दिया लंबित परियोजनाओं, विशेष रूप से प्राथमिकताओं के रूप में नामित परियोजनाओं की संख्या। उन्होंने चिंता व्यक्त की विभागों के भीतर पर्याप्त स्टाफ की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रभावी बताया गया कार्यान्वयन सही कार्मिकों की नियुक्ति पर निर्भर करता है। चर्चा का एक महत्वपूर्ण फोकस कृषि क्षेत्र था, जहां मंत्री थे विभागीय प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि वास्तविक किसानों को चावल से लाभ मिले खरीद प्रक्रियाएं। उन्होंने बताया कि इससे केवल दलालों को ही फायदा होता दिख रहा है लेन-देन, वास्तविक किसानों की ओर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता है। जैसी योजनाओं के लिए अनेक आवेदनों के आलोक में, द्वारा अस्वीकार किया जा रहा है मंत्री ने बैंकों के प्रमुखों से तत्काल रिपोर्ट मांगी। वह जन कल्याण के महत्व को दोहराया, इस बात पर जोर दिया कि सरकार को इसे प्राथमिकता देनी चाहिए अपनी सभी पहलों में समुदाय की जरूरतें। समीक्षा बैठक में स्थानीय विधायक जालेन दैमारी सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बीटीसी के प्रमुख सचिव आकाश दीप, उच्च शिक्षा सचिव नारायण कोनवार, जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधरी, और विभिन्न विभागाध्यक्ष शामिल थे।

परबतझोरा जंगल में लापता युवक का शव बरामद

कोकराझाड़ (विभास)। पांच दिनों से लापता 34 वर्षीय अब्दुल मतीन फकीर का शव शनिवार को बरामद किया गया। उसका शव कोकराझाड़ जिले के काजीगाँव थाना अंतर्गत संरक्षित वन क्षेत्र में स्थित सुपारी घाट के घने जंगल में लटका मिला। थुरिया पहाड़ी गांव के निवासी और शाहर अली मुंशीर के बेटे अब्दुल मतीन फकीर बिगत 20 अक्टूबर से लापता थे। सुपारी घाट जंगल में तलाश के दौरान उनके परिवार ने उनका शव देखा और पुलिस को जानकारी दिया। पुलिस घटना स्थल मे पहुंच कर शव को अपने कब्जे मे कर लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान कर ली है और उसकी मौत के जांच कर रही है। अभी भी स्पष्ट नहीं है, अधिकारियों ने कहा कि यह जांच के बाद निर्धारित किया जाएगा कि यह घटना एक सुनियोजित हत्या थी या आत्महत्या। काजीगांव पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच कर मौत के कारणों के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय निवासियों ने अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अब्दुल मतीन फकीर नाम का युवक 20 अक्टूबर से लापता था और आज हमने उसे जंगल में लटका हुआ पाया गया। पुलिस इस दुखद घटना से जुड़े सभी संभावित पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए गहन जांच कर रही है।

बिहाली विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवार दिगंत, जयंत अनंत और लक्षिकांत का प्रचार अभियान जोरों पर

विश्वनाथ (विभास)। राज्य में उपचुनाव का माहौल के बीच में कल तक 77 नं बिहाली उप चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा प्रत्याशी दिगंत घाटोवार के रूप में विपक्ष कांग्रेस पार्टी के मनोनीत प्रत्याशी जयंत बोरा, माकपा (एम-एल) पार्टी के मनोनीत प्रत्याशी लक्षिकांत कुर्मी और आम आदमी पार्टी के अनंत गोगोई ने नामांकन पत्र दाखिल कर चुका है। बिहाली में उप चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों में दिख रहा है दिलचस्प मुकाबला। दूसरी तरफ बिहाली उप चुनाव के चारों प्रत्याशियों में कोई आदर्श, शारीरिक गठन, राजनीतिक सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व, व्यक्तित्व समानता नहीं है फिर भी चारों उम्मीदवार में एक विशेष मिल है। दूसरी ओर बिहाली उप चुनाव में जो चार प्रत्याशी का राजनीतिक दर्शन है राष्ट्रवाद या राष्ट्रीयतावादक। बिहाली में क्षेत्रवाद में विश्वास करने वाला कोई नेता नहीं है। बिहाली उप चुनाव में क्षेत्रवाद में विश्वास रखने वाले कोई भी उम्मीदवार टक्कर देने के लिए आगे बढ़कर आते दिखाई नहीं दी। उसके बाद विशेष यह है कि बिहाली उप चुनाव में चार राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों से नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों के प्रत्येक के नाम बाद अंत है। बिहाली उप चुनाव में पास हुए उम्मीदवारों के नाम भाजपा से दिगंत, कांग्रेस पार्टी से जयंत, आप असम टीम से अनंत और माकपा (एम-एल) टीम से लक्षिकांत चुनाव लड़ रहे हैं। इधर उपचुनाव का चारो प्रत्याशी पार्टी ने चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दी है।

जुआ खेलने के आरोप में तीन गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बरटारी गांव से पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि छयगांव थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के नेतृत्व में चलाये गए अभियान के दौरान जुआ खेलने के आरोप में एक नंबर जियाकुर के दीप ज्योति कलिता (26), बेजरटारी के गगन दास (25) और मनोहर अली (22) को गिरफ्तार किया गया है। अभियान के दौरान तीनों आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश की। पुलिस ने तीनों को दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। पुलिस इस संबंध में गैंबलिंग एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरूद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

बीटीसी पीएस आकाश दीप ने विकासात्मक प्रगति का आकलन करने के लिए तामुलपुर का दौरा किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। विकास गतिविधियों की स्थिति का आकलन करने के लिए और तामुलपुर जिले में विभिन्न योजनाओं का कामकाज, बीटीसी के प्रमुख सचिव, आकाश दीप ने आज कई कार्यालयों, संस्थानों और क्षेत्रीय गतिविधियों का दौरा किया। उन्होंने इसमें शामिल सभी लोगों से आग्रह किया यह सुनिश्चित करते हुए, आगे आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोगात्मक और कुशलतापूर्वक काम करना विकासात्मक लक्ष्य पूरे होते हैं और समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ मिलता है। दौरे के दौरान उन्होंने तामुलपुर उपमंडल केंद्र का निरीक्षण किया और चर्चा की। विभिन्न मुद्दों को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत की। उनके साथ थे तामुलपुर के जिला आयुक्त, पंकज चक्रवर्ती। प्रमुख सचिव सुझाव दिया कि जिला आयुक्त मुद्दों को हल करने के लिए, एक समिति बनाएं उप-विभागीय केंद्र। साथ ही प्रमुख सचिव ने इसके तहत एकीकृत कृषि प्रणाली का भी दौरा किया डुमुरिया गांव में डीडब्ल्यूआईएमयू परियोजना और दाओगांगबाड़ी हैंडलूम क्लस्टर के तहत बोडोलैंड हैंडलूम मिशन, जहां उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत की। वह भी तामुलपुर उप-विभागीय नागरिक अस्पताल की सुविधाओं और कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया बालवाड़ी। बाद में, बीटीसी पीएस ने पीएचई, कौशल मंत्री की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक में भी भाग लिया विकास, रोजगार और उद्यमिता, और पर्यटन, जयंत मल्लबरुवा, पर तामुलपुर डीसी कार्यालय।

संपादकीय

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत

ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन कई मायनों में सफल रहा। समूह के नेतृत्व और उनके मकसद भी सार्थक रहे। अब ब्रिक्स 10 सदस्य देशों का समूह हो गया है, क्योंकि ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को नई सदस्यता दी गई है। करीब 30-35 अन्य देश भी ब्रिक्स से जुडऩा चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी उतावला है, लेकिन भारत ने उसकी संभावनाओं को खारिज करवा दिया है। यदि जी-7 पश्चिमी देशों का समूह है, तो ब्रिक्स 'ग्लोबल साउथ' का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम और यूरोप की वर्चस्ववादी सत्ता के समानांतर अब ब्रिक्स की ताकतवर उपस्थिति भी है, लेकिन वह 'पश्चिम-विरोधी' नहीं है। ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में संलिप्त है, फिर भी वहां कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना वाकई आश्चर्यजनक है। बहरहाल कजान सम्मेलन के बाद जो साझा घोषणापत्र जारी किया गया, उसमें कुछ मुद्दे पश्चिमी देशों की 'दादागीरी' के खिलाफ हैं और उनके चरित्र को भी चुनौती देते हैं। मसलन, अमरीका ने अकेले रूस पर करीब 20,000 प्रतिबंध थोप रखे हैं। ईरान पर भी पाबंदियां हैं। ब्रिक्स ने ऐसी आर्थिक, व्यापारिक और जबरन पाबंदियों को नकारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर, कुछ बड़े देशों के, दोहरे रवैये की भत्र्सना की है। उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया उन्हें जानती है। ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरुआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भत्र्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को 'बड़ा आतंकवाद' मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है। पश्चिम का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विषय होना चाहिए, क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति पर असर पड़ सकता है, लेकिन भारत समेत अन्य विकासशील देशों का यह मानना है कि सुरक्षा परिषद की इसमें कोई भूमिका ही नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स की जो शुरुआती नीतियां थीं, आज तक उनमें कई बदलाव आ गए हैं। भारत अपने कारोबार, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक विस्तार के लिए पश्चिमी देशों से भी जुड़ा है।

> ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

> भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं।

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के

निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

दृष्टि कोण

नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडऩे की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढक़र 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढक़र 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढक़र 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडु को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडु से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडु की नहीं।

कुछ अलग

अब तुका भी ग्रो लिस्ट में

इन दिनों इस बात की चर्चा काफी जोरों से है कि तुका एफएटीएफ से पाकिस्तान को ग्रो लिस्ट यानि निगरानी सूची से बाहर निकालने के लिए बड़ी गोलबंदी कर रहा है। पाकिस्तान को तो बाहर निकालने में सफल हुआ नहीं, उल्टे खुद ही एफएटीएफ की ग्रो लिस्ट में शामिल हो गया। दरअसल 2019 से तुका जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोल रहा है। भारत उसे कईं बार संकेत दे चुका था कि वह हमारे आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न करे। तुका भारत ही नहीं, अमेरिका, सउदी अरब और यूरोपियन देशों खासकर प्रांस से भी पंगा लिए हुए है। यहां तक कि उसकी भारत विरोधी और पाक समर्थक चीन से भी नहीं पटती। तुका के खिलाफ एफएटीएफ में वोट देने वाले देशों में चीन भी शामिल है, वहीं पाकिस्तान के खिलाफ वोट देने वालों में सउदी अरब सबसे आगे रहता है। भारत पिछले एक साल से पाकिस्तान के दोस्त तुका को सबक सिखाने के लिए संभावनाएं तलाश रहा है। भारत को अमेरिका का साथ मिलना और यूरोपियन देशों का तुका के राष्ट्र पति रजब तैयब एदरेगान से चिढ़ के कारण एफएटीएफ में आए तुका विरोधी प्रास्ताव का समर्थन भारी मतों से हुआ। तुका में भी एदरेगान लोकप्रिय नहीं हैं। उनके तमाम राजनीतिक दुश्मन बन चुके हैं। असल में तुका की जनता पूरी तरह इस्लाम धर्म मानती है किन्तु वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष है। वह कभी भी अपने शासक को कठमुल्ला के रूप में नहीं देखना चाहती। तुका की जनता चाहती है कि उसका शासक भी धर्मनिरपेक्ष छवि का हो। एदरेगान ने खुद को इस्लाम का संरक्षक साबित करने के मुगालते में ही भारत और प्रांस से सीधे पंगा लिया है। बहरहाल अब जबकि आतंकियों को वित्तीय मदद देने के आरोप में तुका और पाकिस्तान दोनों एफएटीएफ की निगरानी सूची में शामिल हो चुके हैं तो दुनिया के लिए यह जरूरी है कि समय रहते आतंकवाद की परिभाषा तय कर ली जाए। तुका और पाकिस्तान दोनों ही लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रों के लिए सिरदर्द बन चुके हैं। पाकिस्तान से एफएटीएफ ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि या तो वह दाउद इब्राहिम, हाफिज सईद, जकी उर रहमान लखवी और मसूद अजहर को सजा दिलवाए अथवा उसे भारत को सौंप दे। पाकिस्तान ग्रो लिस्ट में शामिल है इसीलिए उसे आईएमएफ ने और कर्ज देने से मना कर दिया है। पाकिस्तान को छह अरब डालर की विस्तारित कर्ज सुविधा की बहाली के लिए वित्त सचिव यूसुफ खान और इमरान खान के सलाहकार शौकत तारिन को आईएमएफ ने टका-सा जवाब दे दिया। असल में इससे पहले आईएमएफ से जो वित्तीय सहायता मिली थी वह सशर्त मिली थी। उसमें दो बातें महत्वपूर्ण थीं—पहली यह कि उन पैसों का इस्तेमाल चीन का कर्ज वापस करने के लिए न हो और दूसरी—किसी तरह की सब्सिडी न दे। हालत यह हुईं कि पाकिस्तान में आजकल 14 प्रातिशत मुद्रास्फीति दर पहुंच गईं है। इस बीच पाकिस्तान के लिए एक मुसीबत और आ गईं है। 14 जुलाईं को पाकिस्तान में चीन के नौ इंजीनियरों की हत्या टीटीपी ने कर दी थी। अब चीन अपने मारे गए इंजीनियरों की मौत पर क्षतिपूर्ति के लिए 3.8 अरब डालर यानि 385 करोड़ रुपए का मुआवजा पाकिस्तान से मांग रहा है। असल में दासु पनबिजली परियोजना पर कम चल रहा था और आतंकियों ने 13 लोगों की हत्या कर दी। इनमें नौ इंजीनियर चीन के थे जो विस्फोट में मारे गए थे।

देश दुनीया से

कोठारी आयोग से पीएम श्री तक शिक्षा की 'परख'

> बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यांन्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडख़ड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई।

यदि एक बच्चे को एक बढिया किताब, एक बढिया कलम, एक बढिया विद्यालय और एक बेहतरीन शिक्षक मिल जाए, तो वह दुनिया को बदलने का माद्दा रखता है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश और प्रदेश की सरकारों ने शिक्षा की बेहतरी के लिए नीति बनाने में कोई कसर छोड़ी है। यह अलग बात है कि कोरे-कोरे कागजों पर सुनहरे भविष्य की रौशनी दिखाते शिक्षा के बल्ब ग्राउंड जीरो पर मद्धम पड़ जाते हैं या फ्यूज हो जाते हैं। बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यांन्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडख़ड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई। इसके पीछे भली मंशा यह थी कि बच्चों के जहनों से परीक्षा का डर खत्म किया जाए, परंतु इस भली मंशा में यह सिद्ध बात नजरअंदाज हो गई कि डर केवल तनाव नहीं देता, बल्कि हमें जागरूक व चौकस भी रखता है। लिहाजा बच्चे परीक्षा के प्रति उदासीन हो गए और इसके महत्व को नहीं जान पाए। देखा-देखी कई योग्य बच्चों की परीक्षा में बेहतर करने की ललक भी गुल हो गई। 'सब पास' के चलते कई माता-पिता भी अपने बच्चों की पढ़ाई से गाफिल हो गए। उधर बहुत से अध्यापक भी चिंतामुक्त हो गए क्योंकि हम उस व्यवस्था के मारे हैं, जहां बिना डर के पत्ता हिलाना मुश्किल जान पड़ता है। रहीम जी की यह बात चरितार्थ हो गई- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह। मस्ती की पाठशाला में सब मस्त हो गए। कहने वाले कहते रहे- ऑल इज वैल। परंतु जब बच्चे छठी व नवीं कक्षा में पहुंचने लगे और विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजे आने लगे, तो ढोल की पोल खुलने लगी। तब शिक्षा के कर्णधारों की तीसरी आंख खुलना लाजिमी थी। हालांकि गुरु को बेहतर गुरु बनने के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रहीं. परंतु उनमें शोर ज्यादा सुनाई दिया, व्यावहारिक जोर और गंभीरता कम दिखाई दी। खेल-खेल में पढ़ाई की अवधारणा कागजों में तो आकर्षक दिखी, परंतु असल में यह हुआ कि पढ़ाई पिछली सीट पर और खेल ड्राइवर सीट पर आ गया। जाने-अनजाने खेल-खेल में शिक्षा से खेला होता रहा। मॉनिटरिंग के लिए टीमें बनीं, पर हासिल क्या हुआ? गुरुजी पर नकेल कसने के लिए उनकी हाजिरी बाइऑमीट्रिक मशीन पर दर्ज की जाने लगी। यहां भी एक यह गड़बड़ हो गई कि बाइऑमीट्रिक मशीनें सेकेंडरी स्कूलों में तो लगीं, परंतु प्राइमरी और मिडल स्कूलों में नहीं लगीं जहां शिक्षा की नींव तैयार होती है। अब कहीं-कहीं, किसी-किसी स्कूल में लगी हों, तो अलग बात है। यह सब हमारी नाक के नीचे हुआ। जब कभी किसी कर्तव्यपरायण व जमीरजीवी चिंतक ने इस बाबत चिंता जाहिर की, तो उसे ये रटा-रटाया राग सुनाया जाता रहा- ऐसा ही चलता है। वाकई शिक्षा ऐसे ही चलती रही और वैसे नहीं चली, जैसे चलनी चाहिए थी। चलते-चलते शिक्षा नीति 2020 आ गई। इसके अनुसार 10 जमा 2 की जगह अब 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 3 पद्धति को अपनाया जा रहा है। अभी यह आरंभिक दौर में ही है और इसी बीच जब तीसरी, छठी व नवीं के छात्रों के शिक्षा के स्तर की 'परख' हुई तो पाया गया कि अपना प्रदेश पूरे देश में आधारभूत साक्षरता, भाषायी व गणितीय दक्षताओं में 21वें स्थान पर खिसक गया है। अब स्थिति सुधारने के लिए ऊहापोह चल रही है। चिंता का विषय है कि छठी कक्षा का बच्चा दूसरी-तीसरी कक्षा के विषय समझ व पढ़ नहीं पा रहा है और नवीं कक्षा का छात्र छठी कक्षा का ज्ञान नहीं रखता। आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षण परीक्षा 'परख' दिसंबर माह में होगी। इसके लिए मॉक टैस्ट पर जोर दिया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। अगर ऐसा ही जोर समय रहते देते, तो आज इसकी जरूरत न होती। ये हमारे अध्यापन का खोखलापन व शिक्षा व्यवस्था का नकारापन ही है कि आज छात्रों के अगली कक्षा में पहुंचने के बावजूद उन्हें पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करवाने के लिए हम मजबूर हैं, वरना अगली कक्षा में पहुंचने के बाद पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करने-करवाने की क्या गर्ज! शिक्षा के इस सफर में सरकार ने आदर्श स्कूल बनवाए, उत्कृष्ट स्कूल बनवाए और अब पीएम श्री स्कूल चिन्हित किए गए हैं। स्कूली भवनों की कायाकल्प की जा रही है।

आप का नजरीया

कम हो रहे हैं एड्स के रोगी

आकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे की पीड़ितों को मौत के आगोश में सुलाने वाली यह महामारी धीरे ही सही मगर अब पकड़ में आ गईं है। विश्व स्तर पर चेतना और जागरुकता के कारण इस पर विजय हासिल की जा सकी। मगर इसका मतलब यह कतईं नहीं है कि एड्स हमारे पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है। भारत अभी भी विश्व के उन पांच देशों में शुमार है जहां एड्स का प्रभाव सर्वाधिक है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार 2030 तक एड्स को जड़ मूल से समाप्त कर दिया जाएगा। दुनिया के सबसे घातक बीमारियों में एक है एड्स। इस बीमारी का मुकम्मल इलाज अभी मुमकिन नहीं हो पाया है लेकिन वुछ रिसर्च हो रहे हैं। जिससे आप उम्मीद कर सकते हैं कि भविष्य में इसका एक मुकम्मल इलाज हो। विश्व एड्स दिवस हर साल एक दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिन इस वायरस और बीमारी से बचने के लिए कईं जागरुकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन उसके बावजूद आम लोगों के दिमाग में कईं सवाल घूमते रहते हैं। इसी वजह से इस जानलेवा बीमारी को लेकर कईं तरह के मिथक बन जाते हैं। हर कोईं अपनी जानकारी के हिसाब से दूसरे व्यक्ति को सलाह देता है, लेकिन कौन-सी बात कितनी सच है इसको लेकर लोग काफी वंफ्यूजन रहता है। एचआईंवी को लेकर एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी सामने आया है कि विश्व में एचआईंवी से पीड़ित होने वालों में सबसे अधिक संख्या किशोरों की है। यह संख्या 20 लाख से ऊपर है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2000 से अब तक किशोरों के एड्स से पीड़ित होने के मामलों में तीन गुना इजाफा हुआ है जो कि चिन्ता का विषय है। ये चिन्ता तब और भी बढ़ जाती है जब ये जानने को मिलता है कि एड्स से पीड़ित दस लाख से अधिक किशोर सिर्प छह देशों में रह रहे हैं और भारत उनमें एक है। एड्स हाथ मिलाने, गले लगने, छूने, छींकने से नहीं पैलता. इससे बचने के लिए जरूरी है कि लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हों। अगर एचआईंवी पॉजिटिव हो, तो दवा लें, और अपना और अपने साथी का खास ख्याल रखें। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लगभग 25 लाख लोग एड्स से प्रभावित हैं। यह आंकड़ा विश्व में एड्स प्रभावित लोगों की सूची में तीसरे स्थान पर आता है। एचआईंवी आकलन 2012 के अनुसार भारतीय युवाओं में वार्षिक आधार पर एड्स के नए मामलों में 57 प्रतिशत की कमी आईं है। जो एक सुखद स्थिति है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अब तक 37.9 मिलियन लोग एड्स के शिकार हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजाना 980 बच्चे एचआईंवी के शिकार होते हैं जिनमें से 320 की मृत्यु हो जाती है। विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल एक दिसंबर को मनाया जाता है। इसे मनाए जाने का मुख्य मकसद लोगों को एचआईंवी संव्रामण से होने वाली बीमारी एड्स के बारे में जागरूक करना है।

आईआईटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भविष्य में देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाएंगे : उपराष्ट्रपति

जोधपुर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आईआईटी जोधपुर जैसे संस्थान ऐसे मस्तिष्कों का पोषण कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति को आगे बढ़ाएंगे। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्नातक होते देखना सौभाग्य की बात है, जो निस्संदेह विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली योगदान देंगे। वे शनिवार को यहां आईआईटी जोधपुर के दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रह थे। कार्यक्रम के दौरान 1084 स्नातकों को डिग्री व मेडलों का वितरण किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव भी इस दौरान मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम में ज्ञान और प्रोत्साहन के शब्दों के साथ विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। डॉ. राम माधव ने भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्नातकों को पारंपरिक सीमाओं से परे रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया और अपनी आईआईटी शिक्षा के वैश्विक महत्व को दोहराया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भविष्य के नेताओं के रूप में स्नातकों की जिम्मेदारियों पर जोर दिया और उनसे समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया। आईआईटी के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की पिछले दस वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान न केवल विकसित हुआ है बल्कि स्वयं को ज्ञान और शोध के एक केंद्र के रूप में ढाला है। समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष व पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. एएस किरण कुमार ने की। समारोह में शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले असाधारण छात्रों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय रूप से यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्र रुशिल समीर पटेल को बीटेक छात्रों के बीच उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों में सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए अध्यक्ष का स्वर्ण पदक शामिल था, जो विद्युत अभियांत्रिकी के मितार्थ अरोड़ा को दिया गया और निदेशक का स्वर्ण पदक, शिवाली केतन शाह को दिया गया जो महिला बीटेक छात्रों के बीच उत्कृष्टता को मान्यता देता है। पदक प्राप्त करने वालों में सामग्री अभियांत्रिकी से दीपिका सक्सेना शामिल थीं, जिन्हें एमटेक छात्रों के बीच उनकी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जगदीश चंद्र बोस स्वर्ण पदक मिला और अनूप कुमार मौर्य को यांत्रिक अभियांत्रिकी में उनके अनुकरणीय पीएचडी शोध कार्य के लिए सीवी रमन स्वर्ण पदक मिला। समारोह में आईआईटी जोधपुर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जैवअभियांत्रिकी, रसायन अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी और धातुकर्म अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ 425 बीटेक स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में कुल 1084 स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

राज्य की विकास परियोजनाओं व योजनाओं पर हुई चर्चा

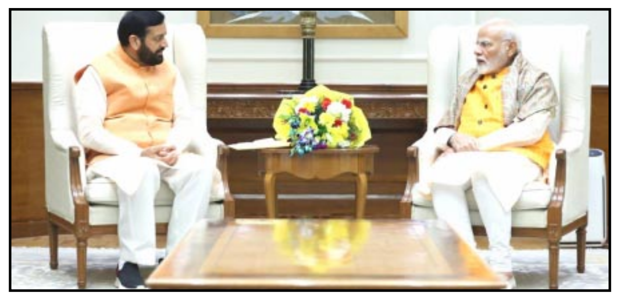

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री के साथ राज्य के विकास के संबंध में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं व योजनाओं पर चर्चा व विचार-विमर्श हुआ। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आने वाले समय में केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास की गति को तीव्रता से आगे बढ़ाएगी और विकास के मामले में *नॉनस्टॉप हरियाणा-बढ़ता हुआ हरियाणा* होगा। मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करने के उपरांत मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली भी उपस्थित थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत दिवस हरियाणा विधानसभा में सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली और आज प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ कई अहम विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि हरियाणा में विकास की गति में तीव्रता लाएं ताकि लोगों के जीवन को सरल व सुगम बनाया जा सके। इसी कड़ी में गत दिनों उनकी नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ भी बैठकें हुई है, जिसमें कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को सशक्त करने की दृष्टि से नारी शक्ति वंदन विधेयक लाकर एक तोहफा देने का काम किया है, जिसकी वजह से अब महिलाएं सशक्त-मजबूत होने के साथ नए आयामों को भी छू पाएंगी। धान के उठान व खरीद के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 17 प्रतिशत तक के नमी वाले धान के एक-एक दाने की खरीद होनी चाहिए और इस संबंध में यदि किसी की शिकायत मिलती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जेल में लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू करवाने के मामले में 7 पुलिस अधिकारी निलंबित

हाईकोर्ट के निर्देश पर पंजाब सरकार ने की कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जेल से इंटरव्यू करवाने के मामले में 7 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश पर सरकार ने यह कार्रवाई की है। गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के दो इंटरव्यू वायरल हुए थे। एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक पहला इंटरव्यू 3 व 4 सितंबर 2022 को हुआ है। लॉरेंस उस समय पंजाब में खरड़ स्थित सीआईए में था। दूसरा इंटरव्यू राजस्थान की जयपुर स्थित सेंट्रल जेल में हुआ है। लॉरेंस का पहला इंटरव्यू 14 मार्च 2023 को ब्रॉडकास्ट हुआ था, जिसमें उसने सिद्धू मूसेवाला का कत्ल करवाने की बात कबूली थी। लॉरेंस का कहना था कि सिद्धू मूसेवाला सिंगिंग के बजाय गैंगवार में घुस रहा था। लॉरेंस के इंटरव्यू वर्ष 2023 में 14 और 17 मार्च को जारी किए गए थे। जिसके बाद पंजाब पुलिस पर सवाल उठे थे। इसके बाद पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दावा किया था कि इंटरव्यू बठिंडा या पंजाब की किसी भी जेल से नहीं हुआ है। हालांकि जांच में यह साफ हो गया कि लॉरेंस का इंटरव्यू खरड़ में किया गया है। इस मामले में हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिए थे कि वह मामले में कार्रवाई कर रिपोर्ट दाखिल करे। जिसके बाद शुक्रवार रात पंजाब गृह विभाग के प्रमुख सचिव गुरकीरत कृपाल सिंह ने आदेश जारी कर डीएसपी गुरशेर सिंह (अमृतसर स्थित 9 बटालियन), डीएसपी समर वनीत, सब इंस्पेक्टर रीना (सीआईए खरड़ में तैनात), सब इंस्पेक्टर जगतपाल जंगू (एजीटीएफ में तैनात), सब इंस्पेक्टर शगनजीत सिंह (एजीटीएफ), एएसआई मुखत्यार सिंह और हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश को निलंबित कर दिया। पंजाब सरकार अब इस मामले में हाई कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करेगी।

शिक्षा ही सबसे अहम, जो दे सकती है समाज को नई दिशा : विशिष्ट न्यायाधीश

बीकानेर (हिंस)। जैन महासभा बीकानेर की ओर से गंगाशहर स्थित आशीर्वाद भवन में एक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जैन समाज की सौ से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी जयचंद लाल डागा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई विशिष्ठ न्यायाधीश, जयपुर महानगर भानू प्रिया जैन ने कहा कि आज शिक्षा ही सबसे अहम है, जो समाज को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने प्रतिभावान बच्चों से कहा कि जब पढ़ लिखकर आगे बढ़ोगे, तो अपने देश, गांव, शहर और अपने समाज का नाम रोशन होगा। साथ ही जीवन में स्वालम्बी बनने के लिए भी शिक्षा जरूरी है। उन्होंने जैन महासभा के इस प्रयास की सराहना की। साथ ही कहा कि इस तरह से अलग-अलग क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान करने से उनका उत्साह बढ़ेगा और उनमें आगे भढ़ने की ललक बनी रहेगी। उन्होंने अपने स्कूल समय और जीवन के सफर में बीते संघर्ष के दिनों का स्मरण करते हुए कहा कि जीवन में आगे भढ़ने में चुनौतियां आती है, उसका डटकर मुकाबला करने वाला हमेशा ही एक मुकाम हासिल करता है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुए भारतीय आर्थिक सेवा और केंद्र सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारी अरिहंत सुराणा ने कहा कि प्रतिभाएं सभी में होती है, लेकिन उनको तराशने वाला जौहरी चाहिए। आज जैन महासभा ने ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित कर बहुत ही सराहनीय कदम उठाया है। इस तरह के आयोजन लगातार होने चाहिए। इससे प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है। संयोजक संजय कोचर ने कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। साथ ही प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया। लूणकरण छाजेड़ ने संस्था का परिचय देते हुए गतिविधियों पर प्रकाश डाला। जैन महासभा के अध्यक्ष विनोद बाफना ने कहा कि महासभा का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, उनका उत्साह बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि महासभा आज समाज के इतने प्रतिभावान रतनों को सम्मानित कर स्वयं को गौरान्वित महसूस कर रही है।

समाधान दिवस में अवैध कब्जे की शिकायत सबसे ज्यादा

जालौन (हिंस)। जनपद में शनिवार के दिन लगने वाले समाधान दिवस में इस बार सबसे ज्यादा शिकायतें अवैध कब्जे को लेकर थीं। जिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेकर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने कोतवाली उरई में आयोजित थाना समाधान दिवस के मौके पर जन शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व में निस्तारित की गई शिकायतों एवं आईजीआरएस पंजिका का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अवैध रूप से कब्जाई सरकारी संपत्ति, रास्ता एवं तालाब चारागाह आदि को अभियान चलाकर कब्जा मुक्त कराया जाए। उन्होंने राजस्व विभाग के समस्त लेखपालों, कानूनगो एवं नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यों को गम्भीरतापूर्वक समयबद्ध पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि विवादित सम्बंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त रूप से टीम मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करें। संतुष्ट एवं असंतुष्ट फीडबैक का अलग-अलग रजिस्टर बनाए जाएं। थाना प्रभारी स्वयं इसका अवलोकन कर निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक निस्तारित किया जाए। प्राप्त शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। शिकायतकर्ता को परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि फरियादियों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी उमेश कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष अजय ब्रह्म दत्त तिवारी, आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फलौदी माता मंदिर ट्रस्ट प्रकरण में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटा के रामगंज मंडी स्थित फलौदी माता मंदिर का प्रबंधन अखिल भारतीय मेडतवाल वैश्य समाज की प्रतिनिधि समिति सभा, देवस्थान आयुक्त और सहायक देवस्थान आयुक्त, अजमेर सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश श्रीफलौदी माता महाराज खैराबाद धाम के संचालक ट्रस्ट की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता ट्रस्ट का गठन वर्ष 1966 में झालरापाटन नगर सेठ ने किया था और उनके परिवार के लोग ही इस ट्रस्ट के वंशानुगत अध्यक्ष रहते हैं। इस ट्रस्ट में कुल 21 ट्रस्टी थे और ट्रस्ट ने कार्य व्यवस्था के उद्देश्य से वर्ष 1977 में एक समिति को अलग से सोसायटी अधिनियम के तहत गठित किया था। वहीं बाद में समिति में कुछ लोगों ने कब्जा कर ट्रस्ट और मंदिर के प्रबंधन को हडपने की कोशिश कर दी। इस पर ट्रस्ट ने वर्ष 2020 में कुछ ट्रस्टी हटा दिए और संविधान में संशोधन कर सहायक आयुक्त, कोटा के समक्ष परिवर्तन दर्ज रजिस्टर करवा दिया। याचिका में कहा गया कि मदनलाल व भंवर लाल ने ट्रस्ट के इस निर्णय को चुनौती दी। जिस पर प्रकरण को कोटा से अजमेर सहायक आयुक्त को ट्रांसफर किया गया और उन्होंने ट्रस्ट के संविधान को बदलने के लिए सरकारी खर्च पर समाज की पंचायत बुला ली। जबकि उन्हें इसकी शक्ति प्राप्त नहीं थी। याचिका में कहा गया कि सहायक आयुक्त ने स्वयं के आदेश की पालना के लिए क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर मंदिर की संपत्ति पर कब्जा करा रहे हैं।

बहन की शादी का न्यौता देकर लौट रहे तीन भाईयों की हादसे में मौत

सोनीपत (हिंस)। बहन की शादी का न्यौता देकर लौट रहे तीन युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही शादी वाले घर में मातम पसर गया। घटना सोनीपत के गांव भैंसवान खुर्द के पास की है। पुलिस को दी शिकायत में अं कुश उर्फ सोनी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 25 अक्तूबर की देर शाम उनका भाई ललित मोटरसाइकिल चला रहा था, जिस पर अतुल और लक्ष्य भी सवार थे। भोले का ढाबा के पास एक तेज रफ्तार गाड़ी ने लापरवाही से उनकी बाइक को टक्कर मारी, जिसमें ललित और अतुल की मौके पर ही मौत हो गई। घायल लक्ष्य को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। अंकुश ने बताया कि गाड़ी से तीन लोग उतरकर भागते देखे गए, जिनमें से एक घायल व्यक्ति बाद में अस्पताल से फरार हो गया।

हरियाणा में भाजपा बनाएगी 50 लाख नए सदस्य, रोहतक में बनाई रणनीति

चंडीगढ़ (हिंस)। भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने के लिए शनिवार को अपनी रणनीति को रोहतक में अंतिम रूप दिया। इसके लिए आज पार्टी कार्यालय *मंगल कमल* में प्रदेश भर के पदाधिकारियों की एक कार्यशाला रखी गई, जिसमें सदस्यता अभियान को कैसे आगे बढ़ाया जाए, यह तय किया गया। बड़ी बात यह है कि कार्यशाला में हर बूथ पर 250 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य बूथ पर रहने वाले पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिया गया। नए सदस्य बनाने की कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा व कैबिनेट मंत्री समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। आज की कार्यशाला में राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने संगठन के गठन की प्रक्रिया व सक्रिय कार्यकर्ता बनाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगठन के चुनाव और नियुक्तियों के बारे में भी बताया। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का जो लक्ष्य रखा है उन्हें पूरा विश्वास है कि कार्यकर्ता इसको पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में संगठन को बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और देश लगातार विकास की राह पर तेजी से बढ़े इसके लिए हमें प्रयास करना है। प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यशाला में भाजपा की विचारधारा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के संगठन में विचारधारा का बड़ा महत्व है। कार्यकर्ताओं के बल, पार्टी के संविधान और परंपरा पर भाजपा का संगठन चलता है। पार्टी की सदस्यता ही संगठन की नींव है। भाजपा की सोच के बारे में डॉ. पूनिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हरियाणा में पांच सीटें जीती और कांग्रेस पार्टी पांच सीटें हारी। उन्होंने कहा कि हमें सदैव सकारात्मक सोच के साथ रहना चाहिए। डॉ. पूनिया ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता हर प्रकार के माहौल में लड़ना जानते हैं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में जो नेरेटिव सैट किया उसे हमारे कार्यकर्ताओं ने ध्वस्त किया और हम तीसरी बार सरकार बनाने में सफल हुए। भाजपा की लगातार जीत से हरियाणा में यह सकारात्मक मैसेज गया है कि हरियाणा के लोगों का भला और विकास भाजपा ही कर सकती है। लोग समझ चुके हैं कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा आगे बढ़ेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सदस्यता अभियान को लेकर हुई कार्यशाला के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बड़ौली ने कहा कि हम हरियाणा में अभेद और अजय संगठन खड़ा करेंगे ताकि लगातार हरियाणा में भाजपा की सरकार बने। उन्होंने कहा कि हम 2047 तक विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। सदस्यता अभियान के बारे में बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि अभियान पूरे एक महीने चलेगा। वेदपाल एडवोकेट को सदस्यता सदस्यता अभियान का संयोजक बनाया गया है, इसके अलावा पांच सदस्य भी नियुक्त किए गए हैं। एक अन्य सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी आज की कार्यशाला में आना था लेकिन दिल्ली में अहम बैठकों के कारण वह कार्यशाला में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। हरियाणा में सीवर, सड़कें, रेल, मेट्रो के विस्तार और नेशनल हाइवे को लेकर तेजी से काम चल रहा है। भाजपा सरकार संकल्प पत्र के हर वादे को संकल्प के साथ पूरा करेगी। सदस्यता अभियान के संयोजक वेदपाल एडवोकेट ने कार्यशाला में राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि पार्टी ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का जो लक्ष्य रखा है उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज की कार्यशाला में पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। 28 और 29 अक्तूबर को जिला स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन होगा। 5 और 6 नवम्बर को मंडल स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी और इसके साथ ही सदस्य अभियान शुरू कर दिया जाएगा।

बीस सूत्री कार्यक्रम की बैठक में एमपी पप्पू यादव ने उठाए कई मुद्दे

पूर्णिया (हिंस)। पूर्णिया में बिहार सरकार के मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की 20 सूत्री बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में पूर्णिया के समग्र विकास और विभिन्न समस्याओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, जिले के सभी विधायक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने हिस्सा लिया। सांसद पप्पू यादव ने बैठक में जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने पूर्णिया की बदहाली को उजागर करते हुए, मंत्री विजय कुमार चौधरी से आग्रह किया कि जिले के विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। पप्पू यादव ने बताया कि जमीन के दर निर्धारण में पारदर्शिता की कमी है, जिसे बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में किसानों को नकली खाद और बीज के कारण भारी नुकसान हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से बिहार में बाल विवाह के खात्मे की उम्मीदों को लगे पंख

पटना (हिंस)। बाल विवाह की रोकथाम के लिए सुप्रीम कोर्ट के नए दिशानिर्देशों के बाद नई उर्जा से लैस बिहार के नागरिक समाज संगठनों ने इसके खात्मे में राज्य सरकार के सभी प्रयासों को हरसंभव सहयोग देने का वादा किया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहयोग का वादा करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संयोजक रवि कांत ने कहा कि बाल विवाह बच्चों से बलात्कार है। यह बच्चों से उनके अधिकार और उनकी स्वतंत्रता छीन लेता है। एलायंस के सहयोगी इस अपराध के खात्मे के लिए काम कर रहे हैं लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों से हमारे संकल्प को मजबूती मिली है। रविकांत ने कहा कि जेआरसीए बिहार से 2030 तक इस घृणित अपराध के खात्मे के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार का हरसंभव सहयोग व समर्थन करेगा। हमारे लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि भारत इस घृणित अपराध के खात्मे की लड़ाई में सबसे अगली कतार में है और इसकी नीतियों व न्यायिक फैसलों ने दुनिया के सामने नजीर पेश की है। एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन के मुख्तारुल हक ने भी इस राय से सहमति जताते हुए कहा कि हम इस बात के गवाह हैं कि किस तरह सभी हितधारकों के प्रयासों में समन्वय व संम्मिलन, जागरूकता और शिक्षा एक ऐसे परिवेश के निर्माण की कुंजी हैं जहां बाल विवाह की गुंजाइश खत्म हो जाती है। हम सभी इन मोर्चों पर काम कर रहे हैं और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इसकी अहमियत को रेखांकित किया है। हम आश्वस्त हैं कि इन दिशानिर्देशों पर तत्काल और प्रभावी अमल से हम 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के निर्णायक बिंदु तक पहुंच जाएंगे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रयास जेएसी सोसायटी के मुख्य समन्वयक अधिकारी जितेंदर कुमार सिंह ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है जो भारत से बाल विवाह के खात्मे का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस फैसले ने सभी की जवाबदेही तय की है और यह सुनिश्चित किया है कि पंचायत से लेकर पुलिस तक सभी इस अपराध के खात्मे में अपनी भूमिका व जिम्मेदारी को समझें। हम राज्य सरकार के साथ खड़े हैं और जैसे भी संभव होगा, उसकी मदद करेंगे। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह मुक्त भारत (सीएमएफआई) अभियान के गठबंधन सहयोगियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्तूबर को एक ऐतिहासिक फैसले में ग्रामीण समुदायों की लामबंदी पर जोर देते हुए बाल विवाह की रोकथाम के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। इन दिशानिर्देशों में बच्चों के सशक्तीकरण, उनके अधिकारों के संरक्षण, यौन शिक्षा और समुदाय केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देने के साथ ही बाल विवाह की रोकथाम के लिए पंचायतों, स्कूलों और बाल विवाह निषेध अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई।

जैसलमेर में प्रवासी गिद्ध की करंट से मौत, पक्षियों की लगातार मौत से पर्यावरण प्रेमियों में गुस्सा

जैसलमेर (हिंस)। जिले के फतेहगढ़ तहसील के नया रासला गांव के पास एक प्रवासी गिद्ध की करंट से मौत हो गई। पक्षियों की लगातार मौत से पर्यावरण प्रेमियों में गुस्सा है। जिला प्रशासन से हाईटेंशन लाइनों को अंडर ग्राउंड करने की मांग की है। मृतक गिद्ध को देखकर स्थानीय निवासी जोगराज सिंह ने पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह को इसकी जानकारी दी। पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सांवता ने बताया कि जिले में कई वन्य जीव बाहुल्य इलाकों में प्रवास करने दुर्लभ पक्षी आए हैं। पक्षियों ने कई इलाकों में अपना डेरा डाला है। फतेहगढ़ इलाके में हाईटेंशन लाइनों के नीचे ही दोपहर बाद एक प्रवासी दुर्लभ गिद्ध यूरेशियन ग्रिफॉन का शव मिला। सुमेर सिंह ने बताया कि इलाके में बिजली के तारों से टकराकर दुर्लभ पक्षियों के मरने का सिलसिला लगातार जारी है। इन तारों को भूमिगत करने की मांग काफी समय से उठाई जा रही है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह ने बताया कि यूरेशियन ग्रिफॉन नामक दुर्लभ गिद्ध प्रवासी पक्षी है और सर्दियों में यहां प्रवास करता है। राजस्थान में यूरेशियन ग्रिफॉन कजाकिस्तान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान से आते है। इनका प्रवास का रास्ता मध्य-पूर्व से दक्षिणी एशिया की ओर है। इस मार्ग को यूरेशियन ग्रिफॉन के अलावा अन्य प्रजातियां भी इस्तेमाल करती हैं। वहां ज्यादा ठंड होने पर ये प्रवास करके हजारों किमी का सफर तय करके गर्म जगहों पर आते हैं। जैसलमेर में ये फतेहगढ़, लाठी आदि इलाकों में जहां पशु विचरण का इलाका ज्यादा है वहां ये ज्यादा पाए जाते हैं।

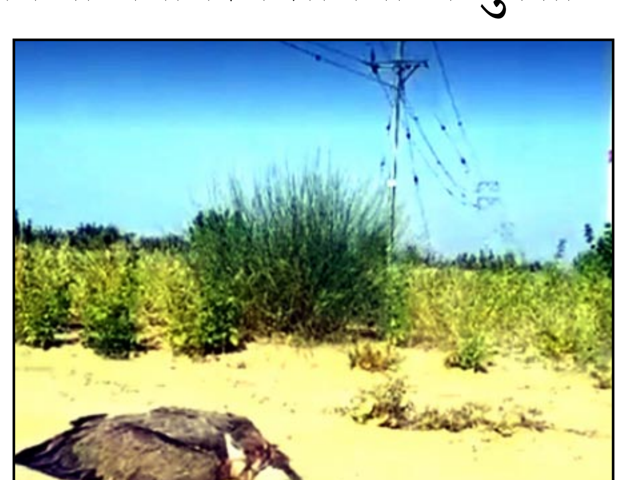

क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बहुत बड़ा जोखिम : आरबीआई गवर्नर दास

वाशिंगटन/नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ अंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शांतिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है।

आरबीआई ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी के पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में आयोजित मैक्रो वीक 2024 कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में इस राय का हूं कि ये ऐसी चीज है जिसे फाइनेंशियल सिस्टम पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह ऐसी स्थिति भी पैदा कर सकता है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति से नियंत्रण खो सकता है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए, क्योंकि लेनदेन क्रॉस-कंट्री है। इससे जुड़े बड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह से सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। दास ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 में इस पूरे क्रिप्टो इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर समझौता हुआ था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के आधिकारिक दौर पर हैं।

यूएई एक्सचेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई। आरबीआई ने नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी (यूएईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूएईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालक (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए ओवरसीज प्रिंसिपल के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र (सीओए) जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालक का सीओए नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने कॉरपोरेट आयकर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ाई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा को 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी एक परिपत्र में कहा कि 31 अक्टूबर की समय-सीमा बढ़ाई जाएगी। सीबीडीटी के मुताबिक आकलन वर्ष 2024-25 (चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कॉर्पोरेट्स के आयकर रिटर्न दाखिल करने) के लिए नई समय-सीमा अब 15 नंवबर, 2024 है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने आयकर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समय-सीमा को सात दिन बढ़ाकर 7 अक्टूबर कर दी थी।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से एक लाख करोड़ से ज्यादा निकाले

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से अक्टूबर माह में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है। एफआईआई ने 25 अक्टूबर तक 1,00,242.17 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस महीने में एफआईआई ने हर दिन शेयर बेचे हैं। विश्लेषकों के मुताबिक चीन में प्रोत्साहन उपायों की झड़ी के बाद एफआईआई एशियाई बाजार से लगातार पैसे निकालकर ड्रैगन के बाजार में लगा रहे हैं। खासकर, भारत से भारी निकासी की जा रही है। हालांकि, भारतीय बाजार को घरेलू निवेशकों से लगातार मदद मिल रही है और इन्होंने अक्टूबर में अब तक 97,090.83 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की है। इन दिनों एफआईआई ने सबसे ज्यादा बिकवाली की- 3 अक्टूबर 15,243.27 करोड़, 4 अक्टूबर 9,896.95 करोड़, 7 अक्टूबर 8,293.41 करोड़, 8 अक्टूबर 5,729.60 करोड़, 17 अक्टूबर 7,421.40 करोड़ और 23 अक्टूबर ,684.63 करोड़ रुपए। एफआईआई की लगातार बिकवाली ने रुपए को रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब बनाए रखा है।

8 लाख रुपये तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली । हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार भी पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-भारत का कोई भी गांव बिना बिजली के नहीं

निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार से रोकने वाली कोई बाधा नहीं : मंत्री

वाशिंगटन/नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार करने से रोकने वाली कोई बाधा नहीं है। कई गैर-भारतीय निजी बीमा कंपनियां पहले भारत में काम कर रही हैं।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को वाशिंगटन, डीसी में सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के अध्यक्ष और सीईओ जॉन जे. हेमरे के साथ फायरसाइड चैट के दौरान यह बात कही। अपनी टिप्पणी में सीतारमण ने याद दिलाया कि भारत सरकार ने 2021 के बजट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि ऐसे चार क्षेत्र हैं, जहां सरकार मौजूद रहेगी। हालांकि, इसमें किसी ऐसे क्षेत्र का उल्लेख नहीं किया गया, जहां निजी क्षेत्र शामिल नहीं हो सकता।

ग्रामीण विद्युतीकरण में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत के हर गांव में अब बिजली की सुविधा है। 2014 में भारत के कई गांवों में जिनमें राज्य की राजधानियों के पास के गांव भी शामिल हैं, बिजली के लिए बुनियादी ढांचे का अभाव था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि आज भारत का कोई भी गांव बिजली से वंचित है। इसलिए अगर मुझे 2014 की स्थिति याद है, तो भारत के कई हिस्सों में कई ऐसे गांव थे, कुछ तो राज्य की राजधानी, प्रांतीय मुख्यालय के बहुत करीब थे, जहां बिजली के तार लगाने के लिए खंभा तक नहीं था। लेकिन, अब यह सब दूर हो गया है। घरों में बिजली आ गई है।

चैट के दौरान सीतारमण ने कहा कि नगर पालिकाओं और शहरी केंद्रों को राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह से सशक्त बनाया गया है। उनके पास चुने हुए प्रतिनिधि हैं, जो तय करते हैं कि उनकी प्राथमिकताओं को कैसे पूरा किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे केंद्र सरकार का फंड राज्यों को दिया जाता है, वैसे ही नगर पालिकाओं और शहरी निकायों को भी फंड दिया जाता है। यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है और राजस्व वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार हस्तांतरित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और नगर पालिकाओं को केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए करों का एक हिस्सा मिलता है ताकि वे यह जानकर योजना बना सकें कि उनकी आकांक्षाओं और विकासात्मक जरूरतों के लिए बजट के माध्यम से क्या आता है। इसके अलावा आज हम बाजार से संसाधन जुटाने की उनकी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। नगर पालिकाएं आर्थिक विकास का बहुत शक्तिशाली साधन हैं और वे अपने दम पर बहुत सारे संसाधन जुटा रही हैं। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री ने जल पहुंच और आर्थिक सशक्तीकरण में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला।

कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री ने जर्मनी के वित्त मंत्री से कई अहम मुद्दों पर की चर्चा

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन, डीसी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की 2024 की सालाना बैठक के मौके पर जर्मनी के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों

नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि क्रिश्चियन लिंडनर ने मुलाकात के दौरान सीतारमण को मोदी सरकार में दोबारा वित्त मंत्री बनने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने वित्तीय प्रबंधन, फिनटेक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के संबंध में वैश्विक निवेशकों के लिए भारत में निवेश करने के प्रवेश द्वार के रूप में आईएफएससी और गिफ्ट सिटी में अवसरों पर चर्चा की। निर्मला सीतारमण ने इस मुलाकात के दौरान जर्मनी के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) द्वारा भारत के अनुकूल मूल्यांकन के लिए भी बधाई दी। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी सहयोग को बढ़ाने और गहरा करने के लिए भारत में चल रहे 7वें अंतर-सरकारी परामर्श पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान क्रिश्चियन लिंडनर से कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए जर्मन विश्वविद्यालयों में अध्ययन करते हैं। इसको देखते हुए जर्मन विश्वविद्यालय गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय शाखा परिसर स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं, जिस तरह अन्य अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय इसमें अपना केंद्र स्थापित कर रहे हैं।

अफ्रीका में एयरटेल ने 3 महीने में कमाए 650 करोड़

मुंबई।
दूरसंचार कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिनमें कंपनी ने 650 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ दर्ज किया है। इस दौरान शुक्रवार को भारत के शेयर बाजार में एयरटेल के शेयरों में लगभग एक प्रतिशत की गिरावट आई है।

इसके बावजूद एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर विचार कर रही है। खबरों के अनुसार कंपनी लंदन में लिस्टिंग कराने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल की टेलीकॉम यूनिट एयरटेल अफ्रीका को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.9 करोड़ डॉलर यानी 664 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1.3 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ था।

कंपनी ने बयान में कहा कि इसका लाभ 15.1 करोड़ डॉलर के असाधारण डेरिवेटिव और विदेशी

एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर कर रही है विचार

मुद्रा घाटे से प्रभावित हुआ, जो इस अवधि के दौरान नाइजीरियाई की मुद्रा नाइरा में मूल्यह्रास का नतीजा है। एयरटेल अफ्रीका की आमदनी सितंबर तिमाही में 9.64 प्रतिशत घटकर 237 करोड़ डॉलर रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 262.3 करोड़ डॉलर थी। एयरटेल अफ्रीका कि एक अधिकारी ने कहा कि हमने देखा है कि लागत को अनुकूलतम बनाने हमारे कार्यक्रम में पहले से ही प्रारंभिक सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा कर्ज, बाजार से लिये गये कुल ऋण का मात्र 11 प्रतिशत रह गया है। बहीखाते को जोखिम मुक्त करने के लिए हमारे किए गए कार्य को दर्शाता है।

चालू महीने में खाद्य तेलों का आयात बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी तेजी दिखाई दे रही है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले महीने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में इजाफा का मकसद आयात को हतोत्साहित करना, घरेलू उद्योग और किसानों को फायदा पहुंचाना था। जो फिलहाल पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है जो अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल के आयात का करीब 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है।

दिवाली से पहले दोगुना हुआ मुद्रा लोन अब बिना गारंटी के मिलेंगे 20 लाख

नई दिल्ली ।
दिवाली से पहले सरकार ने मुद्रा योजना के तहत लोन सीमा बढ़ा दी है। सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों को मदद करना है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट में इस वृद्धि की घोषणा की थी। यह कदम नए उद्यमियों को अपने उद्योगों का विस्तार करने में सहायक साबित होगा। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस श्रेणी के तहत 10 लाख रुपए से अधिक और 20 लाख रुपए तक के लोन उन उद्यमियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने पहले का लोन सफलतापूर्वक चुका दिया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को बिना गारंटी के 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान करना है। बैंक इस योजना के तहत तीन श्रेणियों में लोन देते हैं: शिशु : 50,000 रुपए तक, किशोर: 50,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक और तरुण: 10 लाख रुपए तक (अब 20 लाख रुपए)। इसके लिए पात्रता- उद्यमी भारत का नागरिक होना चाहिए, उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री नहीं होनी चाहिए। कॉरपोरेट संस्थाएं इस योजना के अंतर्गत मान्य नहीं हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर हुआ

पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 690.43 अरब डॉलर था

मुंबई।
देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.16 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 688.27 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में आई यह सबसे बड़ी गिरावट थी। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रहा।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट रही

सेंसेक्स 762 अंक टूटकर 79,298.31 पर बंद
निफ्टी 218.60 अंक गिरकर 24,180 पर बंद

मुंबई।
बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की सतत बिकवाली से दोनों सूचकांकों में 14 महीने में सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही ब्लूचिप फर्मों के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की चिंता से भी बाजार में गिरावट को बल मिला है। घरेलू शेयर बाजारों ने नए सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सोमवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों में मजबूती दिखी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 545 अंक बढ़कर 81,770.02 अंक पर खुला और 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 102.10 अंक की बढ़त के बाद 24,956.15 अंक पर खुला और 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए हैं। सेंसेक्स 200 अंकों बढ़कर खुला और 930.55 अंक टूटकर 80,220.72 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 24800 से अधिक बढ़कर खुला और 309 अंक गिरकर 24,472.10 पर बंद हुआ। बुधवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव जारी रहा क्योंकि बीयर्स लगातार सूचकांकों को नीचे खींचते दिखे। बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 299 अंक टूटकर 79,921.13 पर खुला और 138.74 अंक गिरकर 80,081.98 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 93.95 अंक की गिरावट के साथ 24,378.15 पर खुला और 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.07 अंक टूटकर 79,916.91 पर खुला और 16.82 अंक कमजोर होकर सपाट बंद हुआ। निफ्टी 52.71 अंकों की कमजोरी के साथ 24,382.80 पर खुला और 36.10 अंक फिसलकर 24,399.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक नीचे आ गए। दोपहर एक बजकर 54 मिनट पर सेंसेक्स 762.22 टूटकर मनोवैज्ञानिक स्तर 80 हजार से नीचे आ गया और 79,298.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 272.50 अंक टूटकर 24,126.90 के लेवल पर खुला और 218.60 अंक गिरकर 24,180.80 अंक पर बंद हुआ।

धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों में निवेश करना फायदेमंदः बाजार विशेषज्ञ

नई दिल्ली। धनतेरस के त्योहार पर भारत में जमकर खरीदारी होती है। विशेष तौर पर देखा जाए तो सोने और चांदी की कीमतें इस साल खूब बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। इस साल 29 मई को चांदी ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। एक जनवरी 2024 को चांदी की कीमत 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63352 रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब सोने और चांदी की मांग पीक पर होती है, तो निवेशकों को सोच-समझकर फैसले लेना चाहिए। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अभी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आने की कोई आशंका नजर नहीं आ रही है। आने वाले समय में हाजिर और वायदा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में और मजबूती आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में कटौती के चलते सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खास बात यह है कि चांदी, जो हाल के महीनों में सोने से पीछे रही है, अब अधिक आकर्षक निवेश विकल्प बन सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी दिवाली तक 1,05,000- 1,10,000 प्रति किलो तक जा सकती है। उन्होंने निवेशकों को इस मौके का फायदा उठाने और चांदी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके साथ ही जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन के चलते आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

पाकिस्तान ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला 2-1 से जीती

रावलपिंडी।
नोमान अली और साजिद खान के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीत ली। इस जीत के साथ ही तीन साल से अधिक के इंतजार के बाद, पाकिस्तान ने आखिरकार घरेलू धरती पर टेस्ट श्रृंखला जीत की मिठास का स्वाद चखा।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लिश टीम ने जैमी स्मिथ (89) और बेन डकेट (52) के अर्धशतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 267 रन बनाए। पहली पारी में पाकिस्तान के लिए साजिद खान ने 6 और नोमान अली ने 3 विकेट लिए, जबकि 1 विकेट जाहिद महमूद को मिला।

जवाब में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में सऊद शकील (134) के बेहतरीन शतक और नोमान अली (45) और साजिद खान (नाबाद 48) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 344 रन बनाए और 77 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इंग्लैंड की तरफ से रेहान अहमद ने 4, शोएब बशीर ने 3, गस एटकिंसन ने 2 और जैक लीच ने 1 विकेट लिया।

दूसरी पारी में इंग्लिश बल्लेबाजी नोमान (6-42) और साजिद खान (4-69) की फिरकी के आगे पूरी तरह से ढ़ह गई और पूरी टीम 112 रन पर सिमट गई। जिससे पाकिस्तान को सीरीज जीतने के लिए केवल 36 रन की जरूरत थी।

पाकिस्तान ने 36 रनों का लक्ष्य सैम अयूब (08) का विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद ने जैक लीच की लगातार चार गेंदों पर चार चौके लगाए और शोएब बशीर के अगले ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

नोमान और साजिद ने इंग्लैंड के 20 में से 19 विकेट चटकाए, जबकि पाकिस्तान ने मैच में अपने एकमात्र तेज गेंदबाज आमिर जमाल का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया। साजिद ने मैच में 10 और नोमान अली ने 9 विकेट लिए।

सऊद शकील को मैन ऑफ द मैच और साजिद खान को मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग बी के लिए युगांडा की टीम में शामिल हुए 44 वर्षीय नसुबुगा

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट विश्व कप चैलेंज बी के लिए 44 वर्षीय फ्रैंक नसुबुगा को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। युगांडा 4-16 नवंबर, 2024 के बीच कंपाला और एंटेबे शहरों में विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुख्य कोच अभय शर्मा और एसोसिएशन चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रीय अंडर-19 कप्तान पास्कल मुरुंगी सहित युवा प्रतिभाओं का मिश्रण है। कोच शर्मा ने एक नए कप्तान अली शाह को भी नियुक्त किया, जो एक गतिशील ऑलराउंडर हैं और ब्रायन मसाबा की जगह लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हुईं अमेलिया केर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की महिला ऑलराउंडर अमेलिया केर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में अपनी बायीं क्वाड्रिसेप की मांसपेशी में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हो गई हैं। उस मैच में, अमेलिया को 4-42 के अपने स्पेल के दौरान चोट लगी थी और वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी थीं, जहां वह 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम 227 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 40.4 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान में कहा कि 24 अक्टूबर को हुए मैच के बाद सुबह अमेलिया को स्कैन के लिए ले जाया गया था। स्कैन में ग्रेड वन क्वाड्रिसेप टियर का पता चला, जिसके ठीक होने में लगभग तीन सप्ताह लगेंगे। हेड कोच बेन सॉयर ने कहा।, हम मेली के लिए वाकई बहुत दुखी हैं। चोट लगना हमेशा ही किसी खिलाड़ी के लिए चुनौतीपूर्ण समय होता है और हम जानते हैं कि वह इन खेलों में नहीं खेल पाने से कितनी निराश है। हर कोई जानता है कि मेली इस टीम का कितना अहम हिस्सा है, इसलिए हम निश्चित रूप से उसे मिस करेंगे, लेकिन हम उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। न्यूजीलैंड द्वारा यूएई में 2024 महिला टी20 विश्व कप जीतने के बाद करियर की ऊंचाई हासिल करने के बाद अमेलिया भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थीं। उन्होंने टी-20 विश्व कप में 15 विकेट लिए और 135 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप के किसी भी संस्करण में किसी भी खिलाड़ी द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के बाद बांग्लादेश की कप्तानी छोड़ सकते हैं नजमुल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (हि.स.)। बांग्लादेश के सभी प्रारूपों के कप्तान नजमुल हुसैन के दक्षिण अफ्रीका

के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही टेस्ट श्रृंखला के समापन के बाद कप्तानी करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फरवरी 2024 में नजमुल को एक साल के लिए सभी प्रारूपों का कप्तान नियुक्त किया था और उम्मीद थी कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि, नजमुल ने बोर्ड को अपने पद से इस्तीफा देने की सूचना दे दी है और अब बोर्ड अध्यक्ष फारूक अहमद की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, जो फिलहाल विदेश में हैं और जल्द ही उनके आने की उम्मीद है। क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने से इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हां, उन्होंने हमें बताया कि वह दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। बीसीबी के एक शीर्ष निदेशक उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो इस समय संभव नहीं लगता। पता चला है कि 2024 टी20 विश्व कप के बाद नजमुल ने टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया और तीनों प्रारूपों से इस्तीफा देना चाहते थे। पिछले कुछ समय से नजमुल की कप्तानी लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रही है, जिसके बाद कई लोगों ने उनकी आलोचना की है।

डब्ल्यूटीए ग्वांग्झू ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं सिनियाकोवा

गुआंगझोउ। चेक गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा ने शुक्रवार को यहां डब्ल्यूटीए गुआंगझोउ ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिनियाकोवा ने संयुक्त राज्य अमेरिका की पेरा बर्नार्डा को सीधे सेटों में हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। पहले सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बावजूद, सिनियाकोवा ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में बर्नार्डा को 6-4, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य तीन एकल क्वार्टर फाइनल में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी ने चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग शियायू को 6-4, 6-1 से हराया, सर्बिया की ओल्गा डैनिलोविच ने थाईलैंड की मनंचया सावांगकाव को 6-4, 6-4 से हराया और संयुक्त राज्य अमेरिका की कैरोलिन डोलेहाइड ने स्पेन की बुजास मानेरो को 6-4, 4-6, 6-0 से हराया।

दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रनों पर ही सिमटी

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

पुणे।
न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट को तीन दिनों के अंदर ही 113 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रनों पर ही सिमट गयी। इससे पहले सुबह न्यूजीलैंड की पारी 255 रन पर आउट हुई। इस तरह उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाये थे। इसके जवाब में टीम इंडिया अपनी पहली पारी में केवल 156 रन ही बना पाई। इस प्रकार मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 103 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई थी। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2-0 से सीरीज भी जीत ली है। उसने बेंगलूर में खेला गया पहला टेस्ट भी 8 विकेट से जीता था। वहीं दूसरे दिन 16 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रही टीम इंडिया ने अच्छी शुरूआत की। शुभमन गिल 72 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए जबकि विराट कोहली इस मैच में विफल रहे और मात्र एक रन पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल 30 रन बनाकर जबकि ऋषभ पंत 18 रन पर आउट हुए। तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम कल के स्कोर 5 विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए 255 रन पर आउट हो गई। ग्लेन फिलिप्स 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं टॉम ब्लंडेल 83 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। टिम साउदी (0), मिचेल सेंटनेर (4) और ऐजाज पटेल (1) भी टिक नहीं पाये। कीवी टीम 69.4 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई। इससे भारत को 359 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अच्छी शुरूआत की। हालांकि कप्तान रोहित रन नहीं बना पाये पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया और 96 रन तक ले गए। शुभमन 23 रन बनाकर आऊट हुए। विराट कोहली से उम्मीदें थीं पर वह भी 17 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत अपना खाता तक नहीं खोल पाये। जायसवाल ने 65 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने मध्यक्रम में 21 रन बनाए पर सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स की गेंदों का भारतीय टीम के पास कोई जवाब नहीं था। सेंटनर ने एक बार फिर से पारी में पांच विकेट लिए। चाय तक जडेजा और अश्विन क्रीज पर थे। चाय के बाद अश्विन 34 गेंदों पर 18 तो अकाश दीप 1 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और नाबाद 42 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। अंत में बुमराह ने भी कुछ शॉट लगाए पर तब तक मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया था।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड के पहले तीनों विकेट अश्विन ने लिए। पहले कप्तान टॉम लाथम (22 गेंदों पर 15 रन, 2 चौके) को पगबाधा किया और इसके बाद विल यंग (45 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) का विकेट लिया जिसमें उनका साथ विकेटकीपिंग कर रहे ऋषभ पंत ने कैच पकड़ कर दिया। तीसरा विकेट 44वें ओवर में आया जब अश्विन की गेंद पर डेवोन कॉन्वे (76 रन) पंत के हाथों कैच आउट हो गए। वाशिंगटन सुंदर ने अश्विन का साथ देते हुए लंच के बाद दो विकेट अपने नाम किए जिसमें पहला विकेट रचिन रवींद्र और दूसरा टॉम ब्लंडेल का था। सुंदर ने दोनों को बोल्ड किया। रचिन 105 गेंदों पर 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए जबकि ब्लंडेल मात्र 3 रन ही बना सके।

बल्लेबाजों को रन बनाने चाहिये थे : मोर्कल

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने माना है कि टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। मोर्कल ने कहा कि गेंदबाज न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजों के विफल होने के बाद भी गेंदबाजों पर विरोधी टीम को सस्ते में समेटने का दबाव था। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के पहले दिन ही केवल 156 रन बना पायी। मोर्कल ने कहा कि मुझे बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कभी भी टकराव पसंद नहीं रहा है पर मेरा मानना है कि बल्लेबाजों को पहली पारी में रन बनाने चाहिये थे। उन्होंने कहा कि अगर हम गेंदबाजी से दबाव बना लेते तो अच्छा रहता पर ऐसा हुआ नहीं। हमारे पास शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से वे अपनी प्रक्रिया में लगे हैं और वे जानते हैं कि असफलता से कैसे निपटना है। मोर्कल ने कहा कि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि टीम उन गलतियों को सुधार लेगी जिससे उसे नुकसान हुआ है। साथ ही कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि उसके पास अपनी गलतियों को सुधारने के लिए पर्याप्त अनुभव है। मोर्कल ने कहा कि मैं टीम को दूसरी पारी में मजबूती के साथ वापसी करते हुए देखना चाहता हूं। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वे कैसे वापसी करते हैं और इस स्थिति और हालातों में कैसे खेलते हैं।

एफआईए ने नॉरिस पेनल्टी की समीक्षा करने की मैकलारेन की अपील को खारिज किया

मेक्सिको सिटी।
फॉर्मूला 1 की शासी संस्था ने यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स के दौरान लैंडो नॉरिस को दिए गए दंड की समीक्षा करने के मैकलारेन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। खिताब के प्रतिद्वंद्वी मैक्स वेरस्टैपेन को ट्रैक से बाहर करने के लिए जारी की गई पांच सेकंड की पेनल्टी ने नॉरिस को अंतिम रेस स्टैंडिंग में तीसरे से चौथे स्थान पर खिसका दिया।

मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स सप्ताहांत से पहले गुरुवार को पुष्टि की गई कि वॉकिंग संगठन ने पिछले बार ऑस्टिन में तीसरे स्थान के लिए संघर्ष करते समय ट्रैक से बाहर वेरस्टैपेन को ओवरटेक करने के लिए नॉरिस को मिली पांच सेकंड की पेनल्टी के लिए अनुरोध किया था। इसके बाद शुक्रवार को एक सुनवाई हुई, जिसमें टीम के प्रतिनिधि को स्टीवर्ड के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लेना आवश्यक था।

अनुरोध की पुष्टि करते हुए एफआईए द्वारा जारी किए गए एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया था कि सुनवाई यह निर्धारित करेगी कि क्या कोई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक नया तत्व था जो संबंधित निर्णय के समय समीक्षा चाहने वाले पक्ष के लिए उपलब्ध नहीं था, यदि ऐसा पाया गया, तो दूसरी सुनवाई होगी। हालाँकि, यह घोषणा की गई है कि स्टीवर्ड ने अनुरोध को खारिज कर दिया है।

मामले के परिणाम की व्याख्या करने वाले एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया है कि मैकलारेन ने तर्क दिया कि मूल निर्णय दस्तावेज़ पर एक कथन गलत था, जो यह था कि कार 4 बाहर से कार 1 को ओवरटेक कर रही थी, लेकिन शीर्ष पर कार 1 के बराबर नहीं थी।

टीम ने सुझाव दिया कि यह एक त्रुटि थी क्योंकि उनके पास सबूत थे कि नॉरिस पहले ही ओवरटेक कर चुका था और ब्रेकिंग ज़ोन पर वेरस्टैपेन से आगे था। जोनाथन व्हीटली द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए रेड बुल ने अपना विश्वास व्यक्त किया कि इस मामले में समीक्षा के अधिकार के लिए एक सफल याचिका के मानदंड पूरे नहीं हुए थे।

दस्तावेज़ में आगे कहा गया है- प्रासंगिकता के संबंध में, मैकलारेन यह प्रस्तुत करता प्रतीत होता है कि स्टीवर्ड का निष्कर्ष है कि कार 4 ने शीर्ष से पहले कार 1 को ओवरटेक किया था (और इसलिए कार 1 ओवरटेक करने वाली कार थी) और यह दावा किया गया त्रुटि अपने आप में एक नया तत्व है। यह अस्थिर है। समीक्षा के लिए याचिका किसी निर्णय में त्रुटि (तथ्य या कानून की) को ठीक करने के लिए की जाती है। किसी भी नए तत्व को उस त्रुटि को प्रदर्शित करना चाहिए। जिस त्रुटि का अस्तित्व सिद्ध किया जाना आवश्यक है, वह स्वयं अनुच्छेद 14 में उल्लिखित तत्व नहीं हो सकती।

टेनिसः एलेक्स डी मिनौर वियना ओपन के सेमीफाइनल में

विएना।
एलेक्स डी मिनौर ने जैकब मेनसिक को 6-7(2), 6-3, 6-4 से हराकर विएना ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें बरकरार रहीं। 25 वर्षीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में नौवें स्थान पर है, ने कड़ी मेहनत की और दो घंटे 34 मिनट में जीत दर्ज की।

मेनसिक ने सबसे पहले गियर बदला, शुरुआती सेट टाई-ब्रेक में चला गया। उन्होंने आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का इस्तेमाल किया और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से गलतियाँ करवाकर पहला सेट 7-6(2) से अपने नाम किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने पहले सेट में 24 विनर्स लगाए, जिसमें नौ ऐस शामिल थे।

डी मिनौर ने दूसरे सेट के छठे गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक अर्जित करके जवाब दिया और सेट को 6-3 से जीतकर मैच को बराबर कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट के पांचवें गेम में मेनसिक की फिर से सर्विस तोड़ी और मैच के बाकी समय तक नियंत्रण में रहे। हार के बावजूद, मेनसिक दिसंबर में होने वाले नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह पर हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी एटीपी लाइव रेस टू जेद्दा में तीसरे स्थान पर है।

दूसरी तरफ, खाचानोव ने मैटेओ बेरेटिनी को 6-1, 6-4 से हराया और अपनी जीत का सिलसिला सात मैचों तक बढ़ाया। पिछले सप्ताह अल्माटी ओपन जीतने वाले 28 वर्षीय खिलाड़ी ने वियना में एटीपी 500 टूर्नामेंट में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इतालवी खिलाड़ी को एक घंटे और 18 मिनट में हराया। इस जीत के साथ, खाचानोव ने जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज़ में अपनी पहली जीत दर्ज की, जिसमें बेरेटिनी 4-1 से आगे हैं।

पंजाब किंग्स ने हैडिन और जोशी को बरकरार रखा, सपोर्ट स्टाफ में शामिल हो सकते हैं होप्स

नई दिल्ली।
रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स में अपने सहयोगी स्टाफ की टीम बनाने में पहला बड़ा कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स को शामिल किया है, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स में अपने कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया था। होप्स 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र में एक खिलाड़ी के रूप में फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा भी थे।

46 वर्षीय पोंटिंग के अनुबंध को दिल्ली कैपिटल्स ने नवीनीकृत नहीं किए जाने के बाद विस्तार की पेशकश की थी। हालांकि, होप्स, जिन्होंने 84 वनडे और 12 टी20आई में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया, ने अपने पूर्व कप्तान पोंटिंग के साथ काम करना जारी रखने का फैसला किया, जिन्होंने फ्रैंचाइज़ी के साथ चार साल का अनुबंध किया है।

होप्स के हस्ताक्षर से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज चार्ल लैंगवेल्ट के बाहर होने का संकेत मिलता है, जिन्होंने 2023 और 2024 सीज़न के लिए ट्रेवर बेलिस के तहत टीम के तेज़-गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीकी ने 2020 सीज़न के दौरान फ्रैंचाइज़ी के लिए गेंदबाजी कोच की भूमिका भी निभाई थी।

इसके अतिरिक्त, पोंटिंग ने ब्रैड हैडिन को बनाए रखने का विकल्प चुना है, जो पिछले कुछ वर्षों से फ्रैंचाइज़ी के साथ सहायक कोच के रूप में काम कर रहे हैं। शुरुआत में ट्रेवर बेलिस द्वारा लाए गए हैडिन ने पहले सनराइजर्स हैदराबाद में भी ऑस्ट्रेलियाई के साथ काम किया था। वह फ्रैंचाइज़ी के बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे।

पोंटिंग ने भारत के पूर्व स्पिनर और मुख्य चयनकर्ता सुनील जोशी को भी रिटेन किया है। जोशी पिछले कुछ सीजन से पंजाब फ्रेंचाइजी के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के तौर पर जुड़े हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने संजय बांगर को भी रिटेन किया है, जिन्होंने पिछले साल क्रिकेट डेवलपमेंट के प्रमुख के तौर पर अनुबंध किया था। उनका तीन साल का अनुबंध था, लेकिन बीच में ही यह अनुबंध खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्यों को भी रिटेन किया है, जिसमें एड्रियन ले रॉक्स (एस एंड सी कोच) और एंड्रयू लीपस (फिजियो) शामिल हैं।

पोंटिंग का पहला बड़ा काम रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देना होगा और आईपीएल में चर्चा है कि फ्रेंचाइजी हमेशा की तरह सबसे ज्यादा उपलब्ध राशि के साथ नीलामी में उतरेगी। बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है, हालांकि फ्रेंचाइजी के भीतर इस बात पर बहस चल रही है कि क्या वह 18 करोड़ रुपये के लायक हैं, जो एक रिटेन के लिए सुझाई गई स्लैब है। सोच यह है कि उन्हें राइट टू मैच कार्ड के जरिए शायद कम कीमत पर हासिल किया जा सकता है। चर्चा में शामिल अन्य नामों में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा शामिल हैं, जिन्होंने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। दोनों खिलाड़ियों को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में 4-4 करोड़ रुपये में बरकरार रखा जा सकता है।

डब्ल्यूटीटी चैंपियंसः बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची मनिका बत्रा

नई दिल्ली।
भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शुक्रवार रात फ्रांस के मोंटपेलियर में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर डब्ल्यूटीटी चैंपियंस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने आठवीं वरीयता प्राप्त रोमानियाई खिलाड़ी के खिलाफ 29 मिनट में 3-1 (11-9, 6-11, 13-11, 11-9) से करीबी मुकाबले में जीत हासिल की।

भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे गेम में दो गेम प्वाइंट बचाए। चौथे गेम में 4-7 से पिछड़ने के दौरान स्ज़ोक्स ने टाइम-आउट लिया। हालांकि, बत्रा ने अपने 29 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी की देर से वापसी का मुकाबला किया और अपने दूसरे मैच प्वाइंट को स्कोर में बदलकर मैच को 6-5 से जीत लिया। इस तरह हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उनका स्कोर 6-5 हो गया।

बत्रा ने पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत की 3-2 की जीत में स्ज़ोक्स को भी हराया था। फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक में एकल में राउंड ऑफ़ 16 तक पहुँचने वाले देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला शनिवार को चीन की कियान तियानी से होगा।

विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी कियान ने अपने राउंड ऑफ़ 16 मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और हमवतन वांग यिदी को 3-0 (11-7, 11-9, 13-11) से हराया।

बत्रा ने अपने अभियान की शुरुआत यूएसए की लिली झांग पर 3-0 (11-4, 11-8, 12-10) की शानदार जीत के साथ की। ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय श्रीजा अकुला को पहले दौर में विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज़ से 3-2 (6-11, 11-7, 11-1, 8-11, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा।

अर्जुन एरिगैसी ने बनाया रिकार्ड, 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली। भारत के युव शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने यूरोपियन क्लब कप के पांचवें दौरमें रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही अर्जुन 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड केवल विश्वनाथान आनंद के आना था आनंद ने साल 2011 में 2820 एलओ रेटिंग हासिल की थी अर्जुन ने यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2024 में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए टीम अल्कलॉइड की ओर से पांचवें दौर में रूस के दिमित्री हराया। ??इस जीत से वह लाइव रेटिंग सूची में विश्व में तीसरे नंबर पहुंच गये। अर्जुन 2800 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले 16वें खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं अलीरेजा फिरोजा 2800 अंक की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वहीं पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इससे पहले भारत के अर्जुन ने फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव को हराकर 2024 डब्ल्यूआर

शतरंज मास्टर्स कप अपने नाम किया था। उससे उन्हें 20,000 यूरो का शीर्ष पुरस्कार और 27.84 फिडे सर्किट अंक मिले थे। अर्जुन अब फिडे स्टैंडिंग में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं जबकि भारत की बात की जाये तो वह शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जुन ने पिछले कुछ महीनों में वह शानदार प्रदर्शन करते हुए बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड 2024 में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं टेपे सिगमैन शतरंज टूर्नामेंट में उन्हें दूसरा स्थान मिला। शारजाह मास्टर्स ओपन टूर्नामेंट में वह संयुक्त रूप से पाँचवाँ स्थान पर रहे।

सोशल मीडिया

करियर के नए विकल्प

टेक्नोलॉजी के बढ़ते दायरे ने न सिर्फ लोगों की जीवन शैली में भारी बदलाव किया है, बल्कि इसी से जुड़े ऐसे करियर ऑप्शंस भी सामने रखे हैं, जिनके बारे में आज से कुछ साल पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा। युवाओं की पहुंच में हर वक्त रहने वाला सोशल मीडिया हो या फिर इन सोशल मीडिया को अपना बनाने वाले नए-नए एप्स। यही कारण है कि करियर के नए विकल्प तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं।

मोबाइल एप्लिकेशन मैनेजर

एप्लिकेशंस बाजार प्रतिदिन तेज रफ्तार के साथ बढ़ रहा है। एप्लिकेशंस की लोकप्रियता और उत्पाद बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा टैबलेट एवं स्मार्टफोन का इस्तेमाल होने से एप्लिकेशंस को खरीदने का काम भी बढ़ रहा है। इस कारण इस सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वर्तमान स्थिति को देखें तो आने वाले दो साल के दौरान एप्लिकेशन बाजार देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रोग्रामिंग कुशलताओं वाले आईटी प्रोफेशनलों के लिए इन ताजा संभावनाओं ने करियर को नया आयाम दे दिया है। मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले एप्पल ने जहां साल 2010 में 1.78 अरब डॉलर की एप्लिकेशंस बेचीं, वहीं अगले वर्ष ही ग्लोबल मोबाइल एप्लिकेशंस बिक्री का आंकड़ा 4 अरब डॉलर तक दर्ज किया गया।

एक वेबसाइट के मुताबिक, बीते दो साल में अगर नजर दौड़ाए तो पाएंगे कि शुरू के वर्ष की ही पहली तिमाही में 4,500 मोबाइल डेवलपर्स के पद अस्तित्व में आए, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 101 फीसदी से अधिक है। नौकरियों के लिए वेबसाइट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में इस अवधि के दौरान 52 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है, जो इस ओर इशारा करता है कि कुल रोजगार बाजार में मोबाइल एप्लिकेशंस डेवलपमेंट सेग्मेंट की वृद्धि दोगुनी है। मोबाइल उद्योग में एप्लिकेशंस का डिजाइन और डेवलपमेंट एक क्रांति के समान रहा है, इसीलिए मोबाइल फोन और एप्लिकेशंस डिजाइन एवं डेवलपमेंट क्षेत्र में कारोबार व रोजगार दोनों के बढ़ने की संभावनाएं मौजूद हैं। आईओएस, एंड्रॉयड व अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाली एप्लिकेशंस की बढ़ती मांग ने स्मार्ट फोन तथा अन्य स्मार्ट उपकरणों को अगली पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसकी वजह से अचानक कंपनियों में एक्सपर्ट्स की कमी हो गयी है।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर का काम कम शब्दों में प्रभावी ढंग से किसी ब्रांड को प्रस्तुत कर इंटरनेट यूजर को ब्रांड वैल्यू के प्रति आकर्षित करना है। बात इतने पर ही खत्म नहीं हो जाती। सोशल मीडिया मैनेजर ब्रांड के क्राइसिस सॉल्यूशन को भी बेहतर ढंग से सुलझाने में मददगार है यानी सोशल मीडिया मैनेजर का काम कस्टमर एवं क्लाइंट के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नाम हर किसी के जेहन में रहता है। इसके अलावा लिंक्डइन को व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर माना जाता है। आप इनमें से किसी भी साइट पर जाएंगे तो अधिकांश ब्रांड दिख जाएंगे। सोशल साइट्स पर कंपनियां एवं ब्रांड्स इन ब्रांड्स का प्रभावी एवं औपचारिक तरीकों से जिस तरह प्रमोशन कर रही हैं, उनके पीछे सोशल मीडिया मैनेजर का ही सबसे अहम रोल होता है।

एक सोशल मीडिया मैनेजर टू वे कम्युनिकेशन का काम करता है। वह इसके लिए सही चैनल तलाशता है, फिर अपने प्रोडक्ट को अर्थपूर्ण योजना के साथ लोगों के सामने पेश करता है। सोशल मीडिया मैनेजर न्यू मीडिया के तहत आता है। यह वेब जर्नलिज्म से ही जुड़ा है। सोशल मीडिया मैनेजर की मांग को देखते हुए कई संस्थानों ने इसके लिए बाकायदा अलग कोर्स भी शुरू किए हैं। हाल में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वैट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिल कर इंडिया का पहला सोशल मीडिया कोर्स शुरू किया है। किसी भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर किसी ब्रांड की प्रस्तुति सोशल मीडिया यूजर के दिमाग पर पॉजिटिव एवं निगेटिव दोनों ही प्रभाव छोड़ सकती है। ऐसे में किसी ब्रांड के पॉजिटिव प्रभाव के लिए सही प्रस्तुति अहम होती है, जिसे सही तरीके से उस साइट पर एक निपुण व अनुभवी सोशल मीडिया मैनेजर ही प्रस्तुत कर सकता है।

> सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से इसके विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ रही है। कई ऐसे नए करियर विकसित हो गए हैं, जिनसे बड़े स्तर पर लोग अभी भी अनजान हैं। सोशल मीडिया में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के लिए गूगल, फेसबुक, लिंक्डइन व ट्विटर के अलावा विभिन्न मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों और आईटी क्षेत्र में काम करने के अच्छे मौके हैं।

आज विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 50 प्रतिशत लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, जिनमें से अधिकांश प्रतिदिन अपना कीमती वक्त सोशल नेटवर्किंग पर बिताते हैं। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट पर यकीन करें तो भारत में कुल इंटरनेट यूजर्स में से लगभग ढाई करोड़ युवा सोशल मीडिया साइट्स पर सक्रिय रहते हैं। किसी भी ब्रांड के प्रमोशन के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स सबसे ज्यादा लोकप्रिय माध्यम बन गई हैं।

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर आज हर बड़े संस्थान की बड़ी जरूरत बन चुके हैं। इनका काम होता है कि आप ने जो भी कार्य शुरू किया है, वह अधिक से अधिक ऐसे लोग तक पहुंचे, जो आपके संभावित ग्राहक हो सकते हैं।

कभी कंपनी का पेज बना कर तो कभी किसी प्रोडक्ट से लोगों को जोड़ कर एसएमओ अपना उद्देश्य पूरा कर ही लेते हैं। एसएमओ के प्रमुख कार्य में सबसे महत्वपूर्ण होता है कि दुनिया भर में मौजूद सोशल मीडिया साइट्स के जरिए किसी खास वेबसाइट व पोर्टल के लिए ट्रैफिक जुटाना यानी सोशल मीडिया के जरिए क्लाइंट वेबसाइट के लिए हिट्स बढ़वा कर रैंकिंग में सुधार करना। यह काम निजी तौर पर किया जा सकता है तो किसी कंपनी से जुड़ कर भी।

निजी तौर पर जुड़ने से फायदा यह होता है कि आप कई क्लाइंट लेकर अधिक पैसा कमा सकते हैं। कंपनी से जुड़े तमाम अपडेट्स को दुनियाभर में फैले उनके टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाना ही एएएमओ का काम होता है। इन्हीं के बूते किसी भी पेज के लाइक करने वालों की संख्या लाखों-करोड़ों तक पहुंचती है।

दूध से महंगा हुआ पानी

बनाएं जल प्रबंधन में कॅरियर

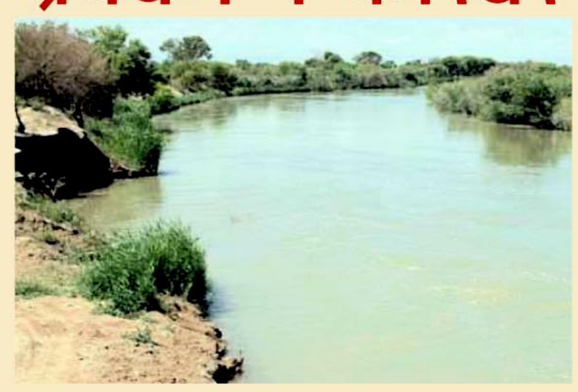

दुनिया के लगभग हर महानगर में पानी दूध से महंगा बिक रहा है। यही वजह है कि मंगल और दूसरे ग्रहों पर पानी खोजने की कोशिशें जारी हैं। साथ ही आशंका जतायी जा रही है कि अगला विश्व युद्ध पानी को लेकर हो सकता है। बुद्धिजीवियों द्वारा की गई इस तरह की भविष्यवाणी के गहरे निहितार्थ होते हैं। आने वाले समय में मनुष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती पानी की होगी। कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, उड़ीसा, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पानी को लेकर लम्बे समय से तनातनी चल रही है। पानी की गहराती समस्या से निपटने के लिए देश की नदियों को आपस में जोड़ने की बात सरकार बड़ी गंभीरता से कर रही है। जल ही जीवन है, इसलिए इसके एक-एक बूंद की सुरक्षा के उपाय खोजे जा रहे हैं। इन चुनौतियों ने जन्म दिया है एक नए रोजगार जल प्रबंधन का।

जल प्रबंधन का मतलब है पानी का संचयन। इसमें सामान्य पानी, मीठा पानी, भारी पानी, खारा पानी, नदी, नाले, पोखर और तालाब के पानी की सुरक्षा संरक्षण शामिल है। ताकि मानव, पशु-पक्षियों और कल कारखानों के साथ-साथ सिंचाई आदि में पानी का इस्तेमाल किया जा सके। जल प्रबंधन के तहत कल कारखानों और प्रदूषित नदियों के पानी को पीने योग्य बनाने या फिर दोबारा उपयोग में लाने की बात के अलावा राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त और रेतीले क्षेत्र में पानी की खोज और प्रबंधन, पानी के संग्रह या वर्षा जल के संचयन के लिए बड़े-बड़े हौज और टैंकों का निर्माण, जल संभरण तकनीकविदों की जिम्मेदारी में शामिल है। अब तो नदियों को आपस में जोड़ने की बात की जा रही है। बांध बनाए जा रहे हैं। हाइड्रोकोलिक वाटर का इस्तेमाल बढ़ रहा है और इसके साथ बढ़ रहा है जल प्रबंधन। इस प्रकार जल प्रबंधकों की मांगें बढ़ रही हैं।

अगर आपने 12वीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ पास की है तो जल प्रबंधन के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। बीएससी के बाद जलस्रोत से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया जा सकता है। चयन लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। दो वर्षीय एमटेक डिग्री के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय जल विभाग, सिंचाई विभाग, मौसम विभाग, पर्यावरण विभाग, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेश वाटर आदि संस्थानों में बतौर वैज्ञानिक नौकरी मिल जाती है। इसके अलावा जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान शालाओं आदि में भी रोजगार उपलब्ध हैं। जल प्रबंधन का पाठ्यक्रम इन विश्वविद्यालयों में उपलब्ध है-

- रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की।
- एमबीएम, इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर।
- रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई।
- तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर।

फुटवेयर टेक्नोलॉजी

युवाओं में बना हॉट करियर

> अगर आप किसी के फैशन सेंस को सिर्फ उसके ड्रेसिंग स्टाइल से जज करते हैं, तो आपको अपना नजरिया बदलने की जरूरत है क्योंकि एक्सेसरीज के बिना स्टाइलिंग पूरी नहीं होती। अब तो फुटवियर भी सिर्फ आराम के लिए ही नहीं, बल्कि फैशन एक्सेसरीज के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे इंडस्ट्री में नई कंपनियों के लिए जगह तैयार हुई है। साथ ही युवाओं को भी नए अवसर मिलने की संभावना बनने लगी है। आप भी फुटवियर टेक्नोलॉजी में करियर बनाकर हर दिन कुछ नया करने का मौका तलाश सकते हैं।

हाईटेक डिजाइनिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी में मार्केट की डिमांड और पॉपुलर डिजाइन्स को ध्यान में रखते हुए फुटवियर की नई डिजाइंस तैयार की जाती हैं। कई इंडस्ट्रीज अपने क्लाइंट्स के लिए फुटवियर कलेक्शंस भी तैयार करती हैं। यह काम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन द्वारा किया जाता है। डिजाइनर्स हाईटेक लैबोरेट्रीज और मशीन्स की मदद से यह काम करते हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स या बायोलॉजी सब्जेक्ट्स होने जरूरी हैं। इसके बाद आप लेदर डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन फुटवियर डिजाइनिंग एंड प्रोडक्शन, बीटेक इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन शू डिजाइनिंग एंड पैटर्न कटिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।बैचलर्स करने के बाद आप मास्टर्स इन फुटवियर टेक्नोलॉजी भी कर सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ज्यादातर ग्रेजुएट्स डिजाइन असिस्टेंट्स के तौर पर इस फील्ड में प्रवेश करते हैं। आप किसी भी ब?ी कंपनी के साथ इंटर्नशिप करके अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अनुभव प्राप्त होने के बाद आप चाहें तो फ्रीलांसिंग भी करके अपने क्लाइंट्स के लिए डिजाइन तैयार कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

इस फील्ड के प्रोफेशनल्स को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डिजाइन, मेन्यूफैक्चरिंग ऑपरेशंस, सेल्स एंड मार्केटिंग, रिटेल एंड होलसेल, क्वॉलिटी कंट्रोल और मैनेजमेंट जैसे डिपार्टमेंट्स में काम करना होता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े प्रोफेशनल्स अलग-अलग तरह के फुटवियर की डिजाइंस पर रिसर्च करते हैं और उनकी रिसर्च के आधार पर ही डिजाइनर्स डिजाइन तैयार करते हैं। इसके फाइनल होने के बाद प्रोडक्शन का काम शुरू होता है, जिसके बाद क्वॉलिटी चेकिंग होती है। इस तरह हर स्तर के लिए एक ट्रेंड और स्किल्ड प्रोफेशनल से काम लिया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- फुटवेयर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- सेंट्रल फुटवेयर ट्रेनिंग सेंटर
- इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट लेदर वर्किंग स्कूल, मुंबई
- मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

चाहिए ये स्किल्स

एक फुटवियर डिजाइनर में आने वाले ट्रेंड को पहचानने की क्षमता और फैशन की समझ होनी चाहिए। उसके अंदर

अपने आइडियाज को पेपर पर ड्रॉ करने की क्षमता भी होनी चाहिए। साथ ही यह भी अपेक्षित होता है कि उसमें सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स मौजूद हों।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत में आपको 15-20 हजार रुपए की सैलरी मिलेगी, जो अनुभव के साथ बढ़ेगी। एक अनुभवी प्रोफेशनल को 10-12 लाख या उससे अधिक का भी पैकेज मिल सकता है। फ्रीलांस प्रोफेशनल्स की आय उनकी क्षमता पर निर्भर करती है।

कार्यक्षेत्र में दर्शाएं आत्मविश्वास

> ऑफिस में आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो अपनी कार्यशैली, क्षमता और प्लानिंग की बदौलत हर काम आसानी से और समय रहते पूरा कर लेते हैं। उनकी बातचीत की शैली और हाव-भाव में गजब का उत्साह दिखता है। ऐसे लोग सहकर्मियों के बीच में लोकप्रिय तो होते ही हैं, बॉस की नजर में भी उनकी छवि एक आत्मविश्वासी और ऊर्जावान प्रोफेशनल्स की बनती है। इस आत्मविश्वास की मजबूती के चलते वे बड़े से बड़ा टास्क लेने से भी नहीं घबराते।

दरअसल आत्मविश्वास भीतर से आता है। अब्राहम लिंकन कई बार चुनाव हारने के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह उनके मजबूत आत्मविश्वास का ही परिणाम था। ऑफिस में काम के दौरान आपका आत्मविश्वास तभी झलकेगा, जब आपकी सोच सकारात्मक रहेगी और काम के प्रति आपका नजरिया स्पष्ट रहेगा। कई ऐसे तरीके हैं, जिनके जरिए ऑफिस में आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकते हैं।

जो भी कहें, यकीन के साथ कहें

ऑफिस में मीटिंग या किसी जरूरी प्रोजेक्ट पर डिस्कशन के दौरान अकसर सभी लोगों की राय ली जाती है। आपको यदि कुछ बोलने का मौका मिले तो अपनी बात पूरे यकीन के साथ कहें। यह तभी संभव है जब आपका विजन स्पष्ट होगा या संबंधित जानकारी से पूरी तरह से लैस रहेंगे। कई शब्द मसलन 'मैं सोच रहा हूं कि... ' या ' मैं पूरी तरह से श्योर तो नहीं हूं पर...' आपकी कमजोरी दर्शाते हैं।

गलतियों से डरें नहीं, सीखें

आप काम करेंगे तो जाहिर सी बात है कि आपसे गलतियां भी होंगी। प्रजेंटेशन के दौरान भी कई बार शब्दों का उच्चारण गलत हो जाता है या बातचीत बीच में ही अटक जाती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। भविष्य में इस तरह की गलतियां न हों, इसके लिए भी जरूरी चीजें सीखने का प्रयास करें।

बोलने से ज्यादा लोगों की सुनें

आपको कुछ बोलने या प्रजेंटेशन का मौका मिला है तो सिर्फ खुद ही बोलने में न लग जाएं, बल्कि औरों को बोलने का मौका दें या उनकी भी बात सुनें। हो सकता है कि उनके कुछ सुझावों से आपका काम आसान बन जाए या आपके काम को और मजबूती मिले। यदि आप उनको बोलने का मौका ही नहीं देंगे तो वे भी आपकी बात को गंभीरता से नहीं लेंगे।

खुद पर भरोसा बढ़ाएंगे ये 7 टिप्स

- बातचीत के दौरान आई कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- कपड़े व बातचीत का तरीका ठीक रखें।
- समय के साथ खुद को अपडेट करते रहें।
- किसी भी काम की पहले स्ट्रेटजी बनाएं।
- अपनी क्षमताओं का आकलन करें।
- नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रखें।
- अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

रिस्क उठाने से न डरें

यदि आगे बढ़ना है तो रिस्क उठाने से पीछे न हटें। आप यह कदम तभी उठा सकेंगे, जब आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कई ऐसे अवसर आते हैं, जब आपसे आगे बढ़कर किसी कठिन काम की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद की जाती है। ऐसे अवसरों का लाभ उठाएं और उत्साहपूर्वक काम करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)